

MEMON TIMES

मेमन टाइम्स

TM

Published on 5th of Every Month • Posting on 8th & 9th of every Month • Patrika Channel Sorting Office, Mumbai - 400001

अच्छे बुरे की तुम को खबर देके जाऊंगा, चेहरों को पढ़ने वाली नज़र देके जाऊंगा, यारों में इस ज़माने को वो संगतराश हूँ, पत्थर को बोलने का हुनर दे के जाऊंगा

वर्ष : 06 * अंक : 05 * जुलाई : 2017 * मुंबई * संपादक : शमीम एजाज हुदा * पृष्ठ : 36 * मूल्य : 30/- रु.



Eid ईद मुबारक

Mumbarak عيد الفطر



Felicitation programme for AIMJF delegates in Saudi Arab



An iftar & dinner party was hosted by Memon Welfare Society (MASA), Jeddah in the honour of Respectable Brother Iqbal Memon Officer, President AIMJF at Salt N Pepper Restaurant, Azizia, Jeddah 7th June 2017 (12th Ramadan 1438). A token of appreciation was presented to Iqbal Memon Officer by MASA President Irfan Ahmed Kolsawala & General Secretary

Tayyab Bhai Moosani, for his outstanding services to the Memon Community. This iftar was attended by more than 100 persons. It was a grand successful function including distinguished guests & businessmen of Jeddah such as Abdul Karim Yahya Munshi (Jeddah), as well as distinguished guests from Canada, South Africa, India, UAE etc. such

as Ilyas Bhai Kapadia (Surat), Badshah Kapadia (Mumbai), M. Shafi Niyama (Mumbai) & Saleem Nagani (Mumbai). The function was a great success.

Thanks & Regards,

Irfan Kolsawala & Tayyab Moosani

(President & General Secretary
MWS-MASA)

100, Zakaria Masjid Street, Near Mohammedali Road,
Masjid Bunder (W.), Mumbai - 400 009. (INDIA)
Tel.: +91-22-2341 0080/81/82 website : www.fatimapalace.com
e-mail : reservations@fatimapalace.com / info@fatimapalace.com



HOTEL

FATIMA PALACE

All Rooms Are Air-conditioned • Experienced Service Oriented Management • 24 Hours Room Service • High Speed Internet Service Fully Furnished Rooms With Modern Amenities Fax/Std/Intl Telephone Services • Tours & Travels Booking Services • Airport & Railway Pick-up And Drop Service • Air & Train Booking Services Central Business District Location • Attached Bathrooms And Toilets • 24 Hrs Running Hot & Cold Water • TV & Cable Service • 24 Hours Doctor On Call • Laundry & Dry Cleaning Service • Locker/Baggage Room.

TARIFF CARD

DELUXE ROOM 3000/-
SUPERIOR 2500/-
EXTRA BED 750.00

• Inclusive of all taxes (Luxury Tax 10% + Service Tax 7.42%)
• Check in/ Check-Out time 12.00 noon
• Rates subject to change without prior notice

अंदर के सफहात पर पढ़िये

Page No.

Index

03

• इदारती सफा

18

• इफतार पार्टी मक्क और मदीना शरीफ

19

• हमें तुम पर नाज़ है

22

• इंदौर मेमन जमात प्रोग्राम

25

• (AIMJF) की लिलाह फंड स्कीम

30, 33

• ऊर्दू सेकशन

32, 34

• जनम भूमी



**Haji Firoz
Haji Rafique Khanda**

**Jilini
CORPORATION**

**Contact:
09913266412**



Address
A/101-102 2nd Floor Sargam Complex Opp
Bhulka Bhawan Adajan Surat Gujarat

Boost Your Business with professional financial advisors



तो हमारी भी ईद हो जाती....!

तमाम आलम-ए-इस्लाम और मिल्लत-ए-इस्लामिया के हर फर्द को मेमन टाइम्स की जानिब से ईद की तमाम खुशियाँ मुबारक हो। अल्लाह तआला से दुआ है कि वह हम तमाम मुसलमान भाईयों, बहनों की तमाम इबादात, रोज़ा, नमाज़, तरावीह, तिलावत-ए-कुरआन, ज़िक्र व तसबीहात, ज़कात, फित्रा, सदक़ात वगैरह को अपनी बारगाह में शफ़्रे कबूलियत अता फर्माये और दारैन में अजरे अज़ीम से नवाज़े। आमीन। हमारे मुआशिरों का एक दुसरा पहलू भी है जिस में ग़रीबी, मुफलसी, बेकसी, मजबूरी, लाचारी, भूक, बीमारी से स्सिकती, इन्सानियत, बेवह, यतीम, बेघर अफ़राद की बका के लिये अल्लाह ने नमाज़ के साथ ज़कात को फ़र्ज़ क़ारार दिया और ये ग़रीबों का हक़ है ताकि हमारे साथ ग़रीब व मुफलसी भाई भी ईद की खुशियाँ मनासकें। ज़कात की अदाईगी के लिये ये ज़रूरी है कि आप की ज़कात मुसतहिक़ अफ़राद को ही मिले ग़ैर मुसतहिक़ को देने से आप की ज़कात अदा नहीं होगी।

हमारी ज़कात व सदक़ात का सब से ज़्यादा मुसतहिक़ हमारा ग़रीब व नादार मेमन भाई है जो उम्मीद हसरत के साथ मेमन क़ौम का सब से बड़ा मरकज़ी फ़लाही इदारह आल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की जानिब देख रहे हैं। आज पूरे मुल्क में आबाद हमारे ग़रीब व नादार मेमन भाई फेडरेशन से फरयाद कर रहे हैं कि

फेडरेशन की अपने, दीद होजाती
दिल की पूरी उम्मीद हो जाती
फेडरेशन से जो मिल जाती इमदाद

तो हम ग़रीबों की ईद होजाती

आप की ज़कात को मुस्तहिक़ ग़रीब व नादार मेमन भाईयों तक पहुंचाने के लिये फेडरेशन मुनज़ज़म तौर पर अहम खिदमात अंजाम दे रहा है। लेकिन जिस तरह से मुल्क के ग़रीब व नादार मेमन भाईयों की निगाहें फेडरेशन की जानिब मरकूज़ हैं और वह इमदाद के लिये हसरत से फेडरेशन की जानिब देख रहे हैं।

लेकिन फेडरेशन मेमन क़ौम के सरमाया दारों, ताजिरों, सखी दाताओं और क़ौम के खैर खवाह हज़रात की जानिब हसरत व उम्मीद के साथ देख रही है। मेमन क़ौम के सरमाया दारों और सखी दाताओं को आवाज़ दे रही है कि वह मेमन क़ौम की फ़लाह व बहबूदी के लिये और गुरबत के खातमे के लिये आगे आयें और अपने ज़कात व सदक़ात से मेमन क़ौम का सब से बड़ा मरकज़ी फ़लाही इदारह आल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन तक अपनी रक़म पहुंचाएं।

फेडरेशन के सदर जनाब इक़बाल मेमन आफ़ीसर ज़कात की हुसूलयाबी के लिये दिन रात मेहनत कर रहे हैं वह हर साहिब-निसाब मेमन भाईयों के पास अपील भेज कर ये गुज़ारिश कर रहे हैं कि वह अपनी ज़कात की रक़म फेडरेशन को दे कर मेमन क़ौम की फ़लाह व बहबूदी में अपना तआवुन पेश करे।

इसी लिये तो अंधेरे भी ख़ौफ़ खाते हैं
कि हम चिराग़ बुझाते नहीं जलाते हैं

इस्लामी तारीख शव्वालुल मुकर्रम

इस्लामी दसवाँ महीना शव्वालुल मुकर्रम है। इस महीने की पहली तारीख को ईद मनाई जाती है जो कि मुस्लमानों के लिये इंतेहाई खुशी का नि है। ईद के दिन अल्लाह तआला अपने बंदों पर खुसूसी रहमत नाज़िल करता है। इस दिन का मेज़बान अल्लाह है और इस दिन रोज़ा रखना हराम क़ारार दिया गया है, इस दिन को योम-ए-रहमत भी कहते हैं।

कहा जाता है कि इसी दिन अल्लाह तआला ने हज़रत जिब्रैइल अ. को मुंतख़ब किया। और इसी दिन अल्लाह ने शहद की मख़्खियों को शहद का छत्ता बनाने के लिये इलहाम किया और इसी माह की १७ तारीख को उहुद की लड़ाई शुरू हुई जिस में हज़रत स. के च्चा हज़रत अमीर-ए-हमज़ा शहीद हुए। इन वुजूहात की बिना पर शव्वाल को बड़ी अहमियत हासिल है। इस दिन हर छोटा बड़ा अमीर ग़रीब सब खुशी मनाते हैं।

हुज़ूर ﷺ का मुअजिज़ा

हज़रत बुरैदा र. फर्माते हैं कि एक देहाती रसूलुल्लाह ﷺ के पास आकर कहने लगा मैं इस्लाम कबूल कर चुका हूँ अब मुझे कोई चीज़ दिखाइए जिस से मेरा ईमान बढ़े तो रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया उस दरख्त के पास जाकर कहो रसूलुल्लाह ﷺ बुला रहे हैं, उस ने जा कर कहा तो वह दरख्त दाएँ बाएँ जानिब झुका और फिर जड़ों से अलग हो कर रसूलुल्लाह ﷺ के पास आया और सलाम किया, उस देहाती ने कहा: बस या रसूलुल्लाह ﷺ फिर वह दरख्त रसूलुल्लाह ﷺ के कहने पर वापस अपनी जगह चला गया और जड़ों से मिल गया।

तिब्बे नबवी ﷺ

रसूलुल्लाह ﷺ ने फर्माया मुझे जिब्रैइल अ ने यह बात बताई कि हज़ामत पछना लगवना सब से ज़ियादा नफा बखश इलाहज है। पछना के जरिये फासिद खून को निकाल कर फेंका जाता है।

फातिह उंदलुस तारिक बिन ज़ियाद

फातिह उंदलुस तारिक बिन ज़ियाद तारीखे इस्लाम की वह हसती है जिन्होंने उंदलुस के रहने वालों को इन्सानों की गुलामी से नजात दिलाई, वहाँ का बादशाह कमज़ोर लोगों पर बहुत जुल्म किया करता था, वहाँ के बाशिंदों ने मूसा बिन नसीर से बादशाह के जुल्म व सितम की शिकायत की और मदद की दरखवास्त की। मूसा बिन नसीर ने सन ११ हिजरी को सात हज़ार लशकर के साथ तारिक बिन ज़ियाद को इस्पेन

रवाना किया वह अल जज़ाईर वगैरह के इलाकों को फतह करता हुआ बादशाह रज़ीक के लशकर के सामने पहुंच गया। बादशाह के साथ एक लाख का लशकर था। मूसा बिन नसीर ने तारिक बिन ज़ियाद की मदद के लिये पाँच हज़ार का लशकर रवाना किया इस तरह तारिक बिन ज़ियाद ने सन १२ हिजरी में कुल १२ हज़ार की जमात को ले कर एक लाख फौज़ों का मुक़ाबला किया और अल्लाह तआला ने उन्हें शांदाद फतह अता फरमाई। और यूँ पर भी इस्लाम का परचम लहराने लगा।

हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की आजमाईश

तमाम अंबिया-ए-किराम की तरह हज़रत यूसुफ अ. को भी अल्लाह तआला की रज़ा व खुशानूदी हासिल करने के लिये सख्त आजमाईशों से गुज़रना पड़ा, चुनान्चे वालिदे मुहतरम की शफक़त व मुहब्बत से महरूम करने के लिये सौतेले भाईयों ने साज़िश कर के आप को अंधेरे कुँवों में डाल दिया, फिर एक काफ़ले के जरिये आज़ीज़े मिस्त्र के हाथों बेच दिये गए। चंद साल ही गुज़रे थे कि अज़ीज़े मिस्त्र की बीवी की साज़िश पर तक़रीबन एक साल

जेल में रहना पड़ा। जब आप ने उन तमाम मराहिल को सब्र व इस्तेक़ामत के साथ तैय कर लिया तो अल्लाह ने आप के अन्दर हिल्म व वक़ार, अमानत व दियायत और इज़ज़त व शराफ़त जैसी सिफ़ात मुकम्मल तौर पर पैदा फर्मा दी। आप के इस सब्र व इस्तेक़ामत की बिना पर बिछड़े हुए भाईयों को मिला दिया, वालिद की गई हुई बीनाई वापस करदी और सब से बढ़ कर आप को जेल खाने से निकाल कर नुबुव्वत व हुकूमत से भी सरफराज़ फर्मा दिया। इसी तरह अल्लाह सब्र करने वाले अपने मुखलसीन बंदों को अता फरमाता है।

इसलामी सवालात-व-जवाबात

सवाल: इस्लाम के जो पाँच अरकान हैं उन में सरेफहरिस्त नमाज़ है उसे किस तरह अदा किया जाता है ?

जवाब: नमाज़ शुरू करने से पहले जिस्म को पाक व साफ किया जाता है। इस तरह जिस्म को पाक साफ करने को वजू करना कहते हैं।

सवाल: वजू कैसे किया जाता है ?

जवाब: वजू नीची दिये गए तरीके से किया जाता है।



१: सब से पहले दोनो हाथ

धोए जाते हैं।

२: मुंह साफ करने के लिये तीन मरतबा

कुल्ली की जाती है।

३: नाक में पानी डाल कर उसे साफ किया जाता है।

४: चेहरे को एक कान की लौ से दूसरे कान की लौ तक धोया जाता है।

५: दोनो बाज़ों कुहनियों समेत धोये जाते हैं।

६: फिर सर का मसह किया जाता है।

७: सब से आखिर में दोनो पावँ टखनों तक धोये जाते हैं।

सवाल: वजू करलेने के बाद हमें क्या करना चाहिये ?

जवाब: वजू करने के बाद हमें पाक व साफ कपड़े पहन कर किबला रुख खड़े हो जाना चाहिये।

सवाल: नमाज़ शुरू करने के लिये सब से पहले कौन से अलफाज़ अदा किये जाते हैं ?

जवाब: नमाज़ की इब्तेदा अल्लाहु अकबर कहने से होती है, उसे तकबीर-ए-तहरीमा कहते हैं। तकबरी कहते वक़्त हमें नमाज़ की निय्यत भी करनी चाहिये और अपने दोनो हाथ कानों तक उठाने चाहियें।

सवाल: तकबीरे तहरीमा के बाद क्या पढ़ना चाहिये ?

जवाब: तकबीरे तहरीमा के बाद सना पढ़ना

चाहिये।

सवाल: सना के बाद क्या पढ़ना चाहिये ?

जवाब: सना के बाद कुरआन मजीद की पहली सूरात यानी सूर-ए-फातिहा पढ़नी चाहिये और उस के साथ कुरआन मजीद की कोई दूसरी सूरात जो याद हो छोटी सूरात या किसी बड़ी सूरात की तीन चार आयत मिला कर पढ़नी चाहिये उसे किरअत कहते हैं।

सवाल: किरअत मुकम्मल कर लेने के बाद क्या करना चाहिये ?

जवाब: तकबीर यानी अल्लाहु अकबर कह कर रुकू में चले जाना चाहिये और रुकू में सुबहाना रब्बीयल अज़ीम कम से कम तीन बार पढ़ना चाहिये फिर समीअल्लाहु लिमन हमेदा कह कर रुकू से खड़े होना चाहिये फिर अल्लाहु अकबर कह कर सजदे में चले जाया जाए और सुबहान रब्बीयल आला पढ़ें दो सजदा पूरा होने के बाद फिर उसी तरह नमाज़ पढ़ें जिस तरह पहली रकात पूरी की है फिर केदा करें वहाँ अत्तहयात, दरूद शरीफ दुआए मासूरा पढ़ कर सलाम फेर दें ये दो रकात नमाज़ का तरीका है, अगर चार रकात पढ़नी हो तो दुसरी रकात में अत्तहयात के बाद खड़े हो जाएं।

AL - HARAM INTERNATIONAL TOURS & TRAVELS

2018 PACKAGES

PACKAGE	DAYS	ECONOMY	DELUXE
Umrah Tour (Nov / Dec 2018)	14 Days	35,786/-	42,786/-
Umrah Tour (Jan / Feb / Mar / Apr 2018)	14 Days	45,786/-	54,786/-
Shaban + Ramzan Umrah (May 2018)	14 Days	50,786/-	60,786/-
Ramzan First 20 Days Umrah	20 Days	60,786/-	71,786/-
Ramzan Last 20 Days Umrah	20 Days	66,786/-	78,786/-
Ramzan Full Month Umrah	30 Days	78,786/-	94,786/-
Haj 2018 Full Package	22 Days	2,25,786/-	-
Haj 2018 Full Package	37 Days	2,35,786/-	2,70,786/-
Shab-e- Meraj in Masjid-e-Aqsa			
1) Baitul Muqaddas with Umrah (Apr 2018)	18 Days	1,15,786/-	-
2) Baitul Muqaddas with Baghdad (Apr 2018)	12 Days	1,15,786/-	-
Gyarhavi Sharif in Baghdad			
1) Baghdad Ziyarat (Dec 2018)	8 Days	36,786/-	43,786/-
2) Baghdad + Umrah (Dec 2018)	22 Days	73,786/-	-
3) Baghdad + Baitul Muqaddas (Dec 2018)	12 Days	81,786/-	-

Includes: ♦ Air Ticket, Visa Fees & All Transportation by AC Buses
 ♦ Hotel Accommodation on room sharing basis ♦ All Ziyarat by AC Buses
 ♦ Buffet Breakfast, Lunch & Dinner ♦ Complimentary Umrah Kit & Laundry
 ♦ Complimentary Passport Bag, Hand Bag & ZamZam Water

Booking with Full Payment before 30th July, 2017

For more details call: Javid Memon - 9890303830

Head Office : A - 202, Polaris Building, Near State Bank of India, Maroshi Road, Marol Naka, Andheri (E) Mumbai - 400 059.

Customer Care No. : 022 - 42291444 / 40041444

Website : www.alharamtour.com ♦ Email : alharamtour.in@gmail.com

रोज़दारनी पुशाली एद छे,
 रोजदारनी वहाली एद छे
 इर्ज रोज या रब ! पूरा थया,
 शुक्र ओनो ओ पुशाली एद छे
 नाही धोएने नवा वख्रो सञ्ज,
 पुशू मडेकावो इपाणी एद छे
 भोज-मस्ती एदनो मकसद न होय,
 अहीँ एबादतनी प्रणाली एद छे
 ने पछी इत्रा तएो सडको करो,
 आ तो 'एदुलकित्र' वाणी एद छे
 भजू र, शीरपुरमा ने मिष्टानधी,
 करो मो मीठुं ने चालो एदगाहे एद छे
 राहमां सौ मोमीनना अल्लाहु अकबरधी,
 केवी गुंजन करती आ एद छे
 शानधी भूशु भुत्वा ने नमाज़नी,
 मोमीननी केवी ज़ाहोज़लाली एद छे
 भेटे सौ गणे मणी भेद सघणा लुली,
 ओवी यूबक सभी आ एद छे
 मनदुभो मीटे हंसी पडे सामुं ज़ोता,
 अकता भाइबंधी नी जुगलबंधी एद छे
 मग़ि़रत मणे अत्रे रोजदार बंदाने,
 रबनी रज़ामंदीनी अक निशानी एद छे
 अल्लाहनी रोजदारोने काजे,
 ज़ाएो आ एनाम-वितरण इप एद छे

'एदुलकित्र'



- शमीम शेख, नन्दे मुन्ने

ARROW
FITNESS



PROMISE OF GRACE PROMISE OF A NEW LIFESTYLE

Fitness is the key to healthy living. Instead of pounding on the promenades, huffing around tracks and planning to reach your Gym, but never getting there, get yourself the very latest fitness equipment from Arrow. Exercise in the privacy of your home at your convenience.



TO LEAD A RICH, LONG & HEALTHY LIFE..

For Dealership Enquiry:

09227860106

 **AVS**
Sales India Pvt. Ltd.

Registered Office :
Opp. SMC, Next to LIC Bldg., Muglisara Main Road, Surat-3. (India)
P: 0261-65 45 492 F: 0261-24 25 750
Email : sales@arrowfitnessindia.com

www.arrowfitnessindia.com



FASTEST CARGO MOVERS

LEADING ROAD CAREERS & FLEET OWNERS



SAURASHTRA®
ROADWAYS
BANGALORE

DAILY DIRECT SERVICE

FROM

- DELHI • GUJARAT • HARYANA • MUMBAI • PUNJAB
- RAJASTHAN • UTTAR PRADESH • UTTAKHAND

TO

- ANDHRA PRADESH • KARNATAKA • KERALA
- MAHARASHTRA • TAMILNADU • WEST-BENGAL

www.srb.co.in

HEAD OFFICE

: 501/A, Savla Chambers, 40, Cawasji Patel Street,
Fort, Mumbai - 400 001., Tel.: 022-2204 5246 (5 Lines)
Fax : 2204 5251, Email: srbmumbai@gmail.com

REGIONAL OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 35, Shahzada Bagh Ext.,
Daya Basti, Delhi - 110 035., Tel.: 2312 7337 / 2312 6522 / 2312 0590
Fax : 011-2312 4786, Email : srbdelhi@gmail.com

AHMEDABAD OFFICE

: "Saurashtra Chamber", Godown No.1/2/3/4/5/6,
Corporate Ware House Hub, Nar-Narayan Estate, Opp. Alfa Hotel, Aslali,
Ahmedabad - 680 028. Tel.: 02718-261 704, Email : srbaslali@gmail.com

BANGALORE OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 5, 1st Cross, H. Siddaiah Road,
Bangalore - 560 027. Tel.: 080-2223 7250 / 2227 7636 Fax* 080-2227 7635
Email : srbbangalore@gmail.com

CHENNAI OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 152, Coral Merchant Street, (MANNADY),
Chennai - 600 001. Tel.: 044-2522 8783 / 2522 8784 Fax: 044-2524 5161
Email : srbchennai@gmail.com

COIMBATORE OFFICE

: "Saurashtra Chamber", T.S.No.1199/2B/B2/C4, Kempatty Colony,
Ukkadam Perur By Pass Road, Coimbatore - 641 001.
Tel.: 0422-2397 347 / 2394 881 / 2395 756, Email : coimbatoresrb@gmail.com

MADURAI OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 30, Vaidyanathapuram Main Road, Ellis
Nagar, Madurai - 625 016. Tel." 0452-2342 555 / 2343 005 / 2350 092
Email : srbmdu@gmail.com

હી ઇદ આવી...!

ઇન્શાનજી હી તો ઝિન્દગીજી રફતાર આય
ઇન્શાનજી હી તો ઝિન્દગીજો કિરદાર આય
પાણી હવાજી તાકાત મીળી દીમાગ થી ઇન્કે
ખુદા કરી ડયે માલીક જીજો મુખ્તાર આય
ઇન્સાનતે થીવ્યો અહેશાને અઝીમ ખુબ
ઉમ્મતકે મીળ્યા જે પયગંબરે સરદાર આય
રાતું ઘણી જે બારો મહીને ને મીળની રીએતી
અફઝલ સત્તાવીસમી રાત ઇન્જી તાજદાર આય
ડીન્યુ બક્ષીસુ રોઝા નમાઝું રબ્બ રસુલ કે
રમઝાન મુબારક ઇન્થી થીયા સરદાર આય
ડીન્યુ મહેબુબે ખુદા ભેટ કુઅનિ કરીમ પાંકે
મોતી સચ્યા વીણેજે, ઇન્જોતો બેડો પાર આય
ખુલ્યા ખજાના ઇલાજ રૂહાની હી માહ મે
હી દવા જીસ્માની-તો શહેરી ઇફતાર આય
ડયો ઊ જરૂરત મંદો કે ઝકાતું સચ્યે હક્કદાર કે
જીન્થી સુધરે ઉન્જી ઇદ-જીજો ઇન્તેજાર આય
શેતાનજી રોકાણી શરાત હી નેક મહીનેમેં
ઇ કેદ થ્યો- જેળો ચાંદ જો થ્યો દીદાર આય
હી ઇદ આવી! રમઝાનજી અલવીદા- જે બાદ
મીળો ગલે મોમીન અજ ખુશીજો તહેવાર આય

- હાજી ભા :: શ્રોલ



Established 1929

THE MEMON CHAMBER OF COMMERCE

Patharia Palace,
First Floor,
75, Mohammedali Road,
Mumbai - 400 003.
Phone: +91-22-2342 0022
Email: info@memonchamber.com



INDO GULF REALTY

International Real Estate Advisory

F.Gheewala Group Company

- Buy Home in Duabi @Rs.85 Lacs
- Assured Possession @ 52% Payment in 27 months
Rest 48% in 48 months after possession
- Interest Free Loan
- Minimum Rent INR 75,000 pm
- Fully Furnished Apartment equipped with European Fittings
- Earn 15% Return on Investment*

REACH US AT:

408, Rex Chambers, W.H. Marg,
Near G.P.O, Ballard Estate , mumbai-400038
Email: info@indogulfrealty.com
Web: www.indogulfrealty.com

**SHOW
APARTMENT
READY IN
MUMBAI**

**FREE
RESIDENT
VISA**

Call us: +91-8108200006 / +91-9892510786 / +91-8108108868 / 022-40069910/11



☎ 2363 4418 2363 4225
2363 1234 2363 2090
2363 2420 2363 1211

HOTEL REGAL PALACE

AMENITIES:

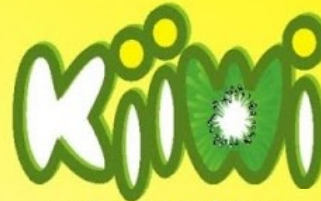
- ★ 24 Hours Room Service.
- ★ Well Furnished A/c. Rooms.
- ★ Safe deposit & Laundry Service.
- ★ Car Parking
- ★ Travel Desk & Doctor On Call.
- ★ Digital Cable T.V.

BANQUET TERRACE:

- ★ AN IDEAL PLACE FOR WEDDING RECEPTIONS & DINNER PARTIES

CHECK OUT TIME 12 NOON

SHOPARIWALA ESTATE, TATA ROAD No. 1,
OPP. ROXY CINEMA, OPERA HOUSE, MUMBAI-400 004.
E-mail: hotelregalpalace@yahoo.com
Website: www.hotelregalpalace.net



TRENDY WARDROBE FOR LITTLE ONES

I LOVE Kiwi

**FASHION
DESTINATION
FOR KIDS**



15/16, Byculla house, Clare road, opp. Fire Brigade,
Next to Bata, Byculla West, MUMBAI-400008.



0%
Maida

*Khoob khao...
Khulkar khilao!*



*Khoob khao...
Khulkar Khilao!*



ઇબ્રાહીમ એ. વાઘરિયા

- પુરુષાર્થ પરિસ્થિતિઓને અનુકૂળ બનાવી દે છે.
- ખુશામત એ એવું બનાવટી નાણું છે, જે બધે પ્રચલિત છે.
- પાપ બોલે નહિ, પાપ બોળે. (ડૂબાડે)
- પ્રેમ ક્યારેય ભૂલોનો દસ્તાવેજ નથી રાખતો.
- એકની મૂર્ખાઈ બીજાનું નસીબ બને છે.
- પોતાની સાથે થયેલી ખુરાઈઓને રેતી પર અને ભલાઈઓને પથ્થર પર લખો.
- થઈ કાલના પસ્તાવાથી અને આવતીકાલની ચિંતામાં આપણે આજને ગુમાવી દઈએ છીએ.
- માણસનો સ્વભાવ જ એવો છે કે તે ભૂલોમાંથી બોધપાઠ લે છે, ઉદાહરણોમાંથી નહીં.
- મન, મોતી ને કાચ, ત્રણે તૂટ્યાં તે સંઘાય નહિ.
- મહાન માણસ તે છે, જે તેનું બાળહૃદય ખોતો નથી.
- ઘણાં એવાય માણસો હોય છે, જેઓને આસન આપો તો આપણી ઉપરજ શાસન કરવા લાગી જાય છે.
- માણસ માણસમાં ફેર, એક નાણું ખર્યે ન મળે ને એક ટકાનાં તેર.
- ન બોલાયેલા શબ્દના તમે માલિક છો અને બોલાયેલા શબ્દના ગુલામ.
- શાંતિ ઝંખવા કરતાં શાંતિ જાળવવી વધુ સારી.
- જો તમારી પાસે સક્ષમ વિચાર હોય તો સમર્થકોની ચિંતા ન કરો, તે તો આપોઆપ મળી જશે.
- સદ્વિચારથી કોમળ કોઈ ઓશિફું નથી.

“ ઇંદ જો હક્કદાર ”

માણુ અશરકુલ મખલુકાતે મુખ્તાર આય, માણુ કે મીજેલો ખીતાબે સરદાર આય.

ઝમીન હવા હૈવાન પાણી તાકાતે દીમાગ, માણુ કે સોપાણુ ઇન્જો પુરો ઇખ્તીયાર આય.

હી ઇલ્કાબ જો ઇ ખરો હક્કદાર તડે જ બની શકે, જે માણુ મેં પુરે પુરા ઇન્શાની કિરદાર આય.

આવી હી સીજન ગીનીને સચોટ સારા નુરખા, માહે રમઝાનતો હર હિકમતજો જાણકાર આય.

રોઝા-નિમાઝ ખેરાત આય રૂહુ જડીબુઝી, બરકતખ ખખના શહેરી અને ઇફતાર આય.

લુંટીગીનો રોજે પછી જે મીળી ખુશી હી ઇંદજી, અચની-ઇંદજો જીન્દગીવટા ના ખત-કરાર આય.

ફરે અદા સાથ ચતીમજે મથ્થે હથમુકી રોજદાર, હી ઇંદજી ખુશીજો ઇજ સરચો હક્કદાર આય.

ભારી ભલકેજે ખાધી ખીર-ખુરમાં ખુશબૂદાર, ભલાઈ ભેગી ઇબાદત વિગર ઇન્જી ઇંદ બેકાર આય.

ગલે-મીળી મુશાફા ઇંદજા કરો દિલથી,

શુકે-ઇલાહી સાથ

દુઆજો હીજ અણસાર આય.

- 'હાજલા'

હાજ મોહમદહુસેન અ. કરીમ



Saffa Mutton Paratha



Saffa Chicken Paratha

Delicious snack, Ready in 3 Mins



Saffa Chicken Spring Roll



Saffa Mutton Samosa



Saffa Chicken Samosa

For enquiries / feedback, please contact Saffa Consumer Relations - 022-22791122

A Quality product from the house of EIL Food Products India Ltd.

MEMON TIMES મેમન ટાઈમ્સ

Heartiest Congratulation to Dr. Zahid Noorani for appointed as. Chairman of All Indore Memon Jamat, From Memon Times.



Congratulation from Memon Times for making our community proud



Dr. Shahid Merchant awarded certificate on 26 June 2017, by The International Academy of America to acknowledge his successful training in Cardiology in New Technologies, in Coherence Tomography, Telescopically pursuing Angioplasty at Orlando.

যুবাননী তরক্কী অটলে সমাজনী তরক্কী

আজ্ঞে নহী, প্রত্যেক যুগমাং সমাজ পোতানা উত্কর্ষ মাটে শক্তিशाणी अने शाएा युवकी तरक্ক श आशाभरी भीट माडे छे. आज्ञे सर्वत्र भ्रष्टाचार, कामचोरी, स्वार्थवृत्ति अने हरीकाठनुं वातारएा छे त्त्यारे समाजना युवाधननी तरक্কी माटे जगृत बनीने सौअे सधियारो प्रयास करवानी जरूरत छे.

यौवननुं सौधी मोट्टे कर्तव्य पोताना व्यक्तित्वधरतनुं छे. पोताना अने समाजना उत্কर्ष माटे परिश्रम-प्रियता, पवित्रता, चारित्र्यशीलता, स्वालंबन अने विवेकशीलतानी पणे पणे जरूर पडे छे. निरशाभां अटवायेला कामचोर, तकवादी नेताओना हाथा बनता, उद्वत अने हिंसाप्रिय, अश-आरामी अने मोजमजप्रिय वडीलो साथे अकारण अधडामाएां उतरता, इशानपाछगनी आंधणी धेलछानो शिकार बनेला युवकी सरवाणे कशुं ज करी शकता नथी. समयनी अे माग छे. परिस्थितिओनो अे साह छे के युवाशक्ति अेक सुव्यवस्थित शक्ति तरीके अडार आवे. अे स्वरूपे अडार आववुं होय तो उतावणिया उत्साह के अविचारी प्रयत्नो जरुरी नथी, पण

भमीरवंतु व्यक्तित्व धरवानी संकल्प करवो पडे अने अे संकल्पने भर लाववा माटे उपरयोडिया नही, एमानदार प्रयत्नो करवा पडे. वर्तमान परिस्थिति प्रत्ये प्रमादी के पलायनवादी बनवानुं के दूषित परिस्थितिओना भूक दृष्टा बनवानुं कोठ पण काणना यौवनने न पोचाय.

समग्र समाजमां आज्ञे मेच्योरिटीनो अभाव देभाय छे. ज्वन प्रत्येनी गंभीरतानो अभाव. हेतुशून्य जिंदगी, युवा समाजने धेरी वणेदी हाताशा अने अंधकारमय भविष्यनी भीक, उचित नेतृत्वनो अभाव वगेरे अनेक कारणो अने परिबणोने परिणामे युवावर्ग अंदरधी भालीपणुं अने दिशा-शून्यता अनुभववी रहवो छे. श्रद्धा अने आत्मविश्वास ज आवा कपरा संजोगोमांधी युवानने अडार लावी शकशे. युवानो समाजनो ज अेक भाग छे. माटे, श्रद्धा अने आत्मविश्वास साथे आदरेला सकर्ष प्रत्ये समर्पित रही निरंतर एमानदारी पूर्वकना प्रयत्नो करवाधी प्रगति प्राप्त थाय छे, अेमां कोठे ज शंका नथी.

युवाननो उत্কर्ष अे ज समाजनो उत্কर्ष भाकी तो अेकनो धरने मरे अेने धर याह करे, सौनो धरने मरे अेने देश-दुनिया सदीयो सुधी याह करे अने अेक धतिहास बने.

صحابی ﷺ کی تعریف

علماء متقدمین و متاخرین نے صحابی کی تعریف میں جو کچھ لکھا ہے اس کا خلاصہ یہ ہے کہ ہر اس صاحب ایمان شخص کو صحابی کہا جائے گا جس نے ایمان کی حالت میں خاتم النبیین محمد عربی صلی اللہ علیہ وسلم سے شرف ملاقات حاصل کیا اور اسی ایمان کے ساتھ وفات پائی، اور ظاہر ہے کہ وہ ناپینا حضرات یا صحابہ کے نوموادمیچے جو آنحضرت صلی اللہ علیہ وسلم کی خدمت مبارک میں لائے گئے ان سب کو ملاقات حاصل ہے لہذا بلا تردد جماعت صحابہ میں ان کا شمار ہوگا۔

اس طرح کم و بیش ایک لاکھ چوبیس ہزار صحابہ کرام رضوان اللہ علیہم اجمعین کا پاکیزہ گروہ اس زمرہ میں شمار کیا جاتا ہے جس کے بارے میں علماء اہل سنت والجماعت اور ائمہ سلف کا بالاقفاق قول ہے کہ سب کے سب نجوم ہدایت ہیں کیونکہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کا ارشاد ہے: الصحابی کا نجوم پانہم اقتدیہم اہتدیہم۔ (ترمذی) گروہ صحابہ کا وجود، رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے حجرات میں سے ایک عظیم الشان مخزہ ہے جن کے ذریعہ اللہ تعالیٰ نے اپنے حبیب و محبوب صلی اللہ علیہ وسلم کے عالمگیر پیغام رسالت کو خطا عرضی کے ہر گوشہ تک اس کی حقیقی روح کے ساتھ پھیلا یا اور اس طرح آنحضرت صلی اللہ علیہ وسلم کا رحیمہ للعالمین ہونا بھی ثابت کر دیا اور ارسلاک الاکلذہ للناس (سورہ فاطر: ۲۴) کی تفسیر بھی دنیا کے سامنے پیش کر دی گئی۔

حضرات صحابہ کرام رضی اللہ عنہم کی پاکیزہ برگزیدہ جماعت کے ذریعہ اسلام کا تعارف بھی کرا دیا گیا اور رسول عربی صلی اللہ علیہ وسلم کی سیرت طیبہ اور سنت کو عام کیا گیا اگر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سے صحابہ کرام رضی اللہ عنہم کو الگ رکھ کر ان کو عام انسانوں کی طرح ظاہری و عاصی تصور کر کے غیر معتبر قرار دیا جائے گا تو اسلام کی پوری عمارت ہی منہدم ہو جائے گی نہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی رسالت معتبر رہے گی نہ قرآن اور اس کی تفسیر اور حدیث کا اعتبار باقی رہے گا کیونکہ اللہ کے رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے جو کچھ من جانب اللہ کو عطا کیا ہے وہ ہم تک صحابہ کرام رضی اللہ عنہم ہی کی معرفت پہنچا ہے خود معلم انسانیت محمد عربی نے اپنے جاں نثار اطاعت شعار صحابہ کی تربیت فرمائی تھی۔ صحابہ کرام نے اول اول، زبان رسالت سے آیات اللہ کو ادا ہوتے سنا تھا اور کلام رسول کی سماعت کی تھی پھر دونوں کو دیانت و امانت کے ساتھ اسی لب و لہجہ اور مفہوم و معانی کے ساتھ محفوظ رکھا اور منجم رسول عربی صلی اللہ علیہ وسلم اس کو دوسروں تک پہنچایا کیونکہ حجۃ الوداع کے موقع پر آنحضرت صلی اللہ علیہ وسلم نے ان کو تبلیغ کا مکلف بنایا تھا... بلقو عینی و لو آتیت (بخاری و مسلم) میری جانب سے لوگوں کو پہنچا دو اگرچہ ایک آیت ہی ہو۔



LALAJI'S FOODS AND BEVERAGES



Refreshingly Indian

LALAJI'S SNACKS & SPICES PVT. LTD.



Safan Sakir Batliwala - 98218 78606 / Sanjar Sakir Batliwala - 98218 78651

Shejan Shoeb Batliwala - 98707 86074 / Shadil Shakil Batliwala - 96644 37866

Email :- info@lalajis.com

Website:- www.lalajis.com

औलाद की तरबियत

आईये अब जायज़ा लें कि औरत के शौहर पर क्या हुकूक हैं। उन में से पहला हुकूक है औरत का नान नफका यानी औरत के खर्चों को पूरा करना। एक बात ज़ेहन में रख लेना कि अल्लाह तआला ने औरत के जिम्मे अपना नान नफका कमाने का बोझ नहीं रखा। और अपने खर्चों के लिये कमाने की कोई जिम्मेदारी नहीं। अगर बेटी है तो बाप का फर्ज़ है कि वह अपनी बेटी का खर्चा पूरा करे। अगर बहन है तो भाई के जिम्मे है कि वह अपनी बहन का खर्चा पूरा करे। अगर बीवी है तो शौहर की जिम्मेदारी है कि वह बीवी का खर्च पूरा करे। और अगर माँ है तो औलाद का फर्ज़ है कि वह अपनी माँ का खर्चा पूरा करे। बेटी से ले कर माँ बनने तक अल्लाह तआला ने औरत पर अपनी रोज़ी कमाना कभी भी फर्ज़ नहीं किया।

तो यह शौहर की जिम्मेदारी होती है कि वह अपनी बीवी का खर्चा पूरा करे। उस के खर्चों के मुताबिक उलेमा ने मसला लिखा है कि शौहर को चाहिये कि अपनी हैसियत के मुताबिक बीवी का ज़ाती खर्चा मुकर्र करे। मुम्किन है कि कोई आदमी पचास डालर दे सकता हो, कोई आदमी सौ डालर दे सकता हो, और कोई आदमी सिर्फ दस डालर दे सकता हो। मात्रा और तायदाद की बात नहीं घर की सबज़ी वगैरह के लिये खर्चा देना और बात है, शरीअत कहती है कि वह तुम्हारी बीवी है, अपने घर को छोड़ कर तुम्हारा घर बसाने यहाँ आयी है अब तुम उस को अपनी ज़ाती ज़रूरतों के लिये कुछ पैसे दे दो और देने के बाद तुम्हें पूछने की ज़रूरत नहीं कि वे पैसे कहाँ खर्च किये।

इस में भी हिकमत है, हो सकता है कि औरत महसूस करे

कि मेरी बहन ग़रीब है मैं उस को दे दूँ। मैं अपने भाई की कुछ मदद करूँ। उसे तब खुशी हो जब वह किसी ग़रीब औरत का दुख बाँटे। लिहाज़ा जब जाती खर्च दे दिया तो अब पूछने की ज़रूरत नहीं, वह जहाँ चाहे खर्च कर सकती है। बीवी के हुकूक से मुताबिक दूसरी बात नोट करें। फुकूहा ने मसला लिखा है कि जब मर्द किसी औरत से निकाह करे तो उस की जिम्मेदारी है कि उस औरत को सर छुपाने के लिये अपनी हैसियत के मुताबिक जगह बना दे। कहावत मशहूर है कि अपना घासला अपना कच्चा हो या पकका। औरत को कोई ऐसी जगह मुहैया कराना जहाँ वह सर छुपाये, यह शौहर की जिम्मेदारी है।

अगर मजबूरी हो, घर के सब अफ़राद इकट्ठे रहते हों तो उसे कोई एक कमरा ही दे दिया जाये, जहाँ वह अपनी ज़रूरतों का सामान रख सके। यह न हो कि बीवी का भी कमरा वहीं है और उसी में माँ बाप का भी सामान पड़ा हुआ है। यह बात ठीक है कि हर आदमी मकान नहीं बना सकता, लेकिन जो बना सकता है वे बनाकर दें। यह शौहर के फ़राईज़ में से एक फ़र्ज़ है।

तीसरी बात यह है कि चूँकि शौहर अपने घर के लिये अमीर और सरदार है लिहाज़ा उसे चाहिये कि अपनी रियाया यानी अपने घर वालों के साथ नर्मी करे, अल्लाह तआला कियामत के दिन उस से नर्मी फरमायेगा। जो दूसरों को जल्दी माफ़ करने वाला होगा अल्लाह तआला कियामत के दिन उस को जल्दी माफ़ फरमायेगा। जो दूसरों के रैबों को छुपाने वाला होगा अल्लाह तआला कियामत के दिन उस के रैबों को छुपायेगा। इस्लाम में बीवी का तसव्वुर जीवन-साथी का

तसव्वुर है, हमदम व हमराज का तसव्वुर है, वह कोई बाँदी का तसव्वुर नहीं है। वह अच्छे दोस्त का तसव्वुर है। कुरआन पाक में जहाँ जहाँ मियाँ बीवी के हुकूक का तज़क़िरा है वहाँ जगह जगह फरमाया: और तुम अल्लाह से डरते रहना, यह इस लिये कि और तुम जान लेना कि तुम को अल्लाह से मुलाकात करनी है।

इस लिये कि बाज़ मामलात ऐसे होते हैं कि न बीवी शर्म से किसी को बता सकती है और न शौहर शर्म से किसी को बता सकता है मगर अन्दर अन्दर दोनों एक दूसरे का दिल दुखा रहे होते हैं।

फरमाया कि तुम इस तरह एक दूसरे का दिल जलाया करोगे तो याद रखना कि तुम को अल्लाह तआला से मुलाकात करनी है। अगर एक दूसरे को सुकून नहीं पहुंचाओगे तो कियामत के दिन उस को कैसे जवाब दोगे।

एक बेहतरीन उस्ूल है कि अगर कोई गलती या कोताही बीवी से हो जाये तो वह माफ़ी माँग ले, और अगर शौहर से हो जाये तो वह माज़िरत कर ले। अपनी गलती पर माज़िरत कर लेने से इन्सान की इज़ज़त बढ़ती है। मुझे इस मौक़े पर अपने पीर मुर्शिद की एक बात याद आई। ये हज़रत कितने मुख़्लिस होते हैं। अपनी जिन्दगी के वाकिआत नमूने बनाकर पेश करते हैं। फरमाने लगे कि एक दिन मैं वुजू कर रहा था बीवी साहिबा वुजू कराते वक़्त पानी ठीक से नहीं डाल रही थी जिस पर मैं ने उन्हे ज़रा सख़्ती से बात कह दी कि तुम कयों ठीक तरह से वुजू नहीं करवा रही हो मगर मेरे इस तरह गुस्सा करने पर वह खामोश रहें और जिस तरह मैं चाहता था वैसे कर दिया.....!

(बाक़ी अगले शुमार में पढ़ें)

MOOSANI GROUP

Md. Farooq Moosani
Chairman & Managing Director

A.S. Moosani & Company
Telangana Petrochem Pvt. Ltd.
Charminar Cold Storage Pvt. Ltd.
Farooq Frozen Foods

Regd. Office : # 5-8-112, 21st CENTURY COMPLEX,
1st Flr, NAMPALLY, HYDERABAD- 500 001. INDIA

Tel. : 040-23202722, 23202687, Fax : 040-2320 1736
E-mail : asmoosani@gmail.com * www.moosanigroup.com

CHEMICALS & SOLVENTS

NAMAKWALA'S
8007869993

MEGA
Handloom

9422214744
9028312851
9970329205

All Types Of Masjid Janamaz Saff

Available In Indian & Imported Variety at Very Low Price.

Call Now For Sample All Over In India City Chowk, Aurangabad (M.S-India)



To Donate Janamaz In Poor / Needy Areas email: givefreemusalla@gmail.com
To Get Free Janamaz In Poor / Needy Areas email: getfreemusalla@gmail.com



Haji Jikar Bawla
Memon Charitable Trust
Serving for Memon Community Since 4 years

मेमन सार्वजनिक दवाखाना

मेमन सार्वजनिक सिलाई स्कूल



President

Haji Furook Bhai Bawla

Haji Sadik Bawla



REGAL REAL ESTATE NAGPUR

Deals in: Land Development | Construction & Development | Residential Layout | Housing Projects

Sharda Chowk, Jalalpura, Nr Gandhi Bagh, Nagpur
M: +919373101973, +91 9372222786

‘અનવારે મુસ્લિમ’

હઝરત અબ્ર બિન આસ (રદિ.) અને કબૂતરીના ઈંડા

જે સ્થળે આજે કાહિરહ નગર વસેલુ છે, ત્યાં કોઈ મોટું શહેર મોલુદ ન હતું; બલકે એક ફોજ કિલ્લો હતો, જે આક્રમણકારોની ચઢાઈને રોકવા માટે બનાવવામાં આવ્યો હતો. હઝરત અબ્ર બિન આસ (રદિ.) અને એમના સાથીઓએ મિસરના અમુક વિસ્તારો છૂટી લીધા બાદ આ કિલ્લાનો ઘેરાવ કરી લીધો. આ ઘેરો છ મહિના સુધી ચાલુ રહ્યો...

આ કિલ્લાની સામે એક મોટો તંબૂ ખડો કરી દેવામાં આવ્યો હતો. જ્યારે કિલ્લાને સર કરવાનો અવસર આવ્યો તો એ તંબૂને ઉખાડી સાથે લઈ જવા વિચાર્યું, પરંતુ ઉખેડવા માટે જ્યારે આગળ વધ્યા તો જોયું કે તંબૂના ઉપરના ભાગમાં એક કબૂતરીએ ઈંડા મૂકી રાખ્યા છે અને તે એ ઈંડા પર બેઠી છે. જો તંબૂ ઉખેડવામાં આવે તો આ ઈંડા નાશ પામે છે. આ કારણે હઝરત અબ્ર બિન આસ (રદિ.) એ ફરમાવ્યું કે, આ કબૂતરીએ આપણા તંબૂમાં પનાહ (શરણ) લીધી છે, આ કારણે આ તંબૂને ત્યાં સુધી બાકી રાખો, જ્યાં સુધી આ બરચાં પેદા થઈને ઊડવાને પાત્ર ન બની જાય!

આમ આ તંબૂને બાકી રાખવામાં આવ્યો. આવી હતી મુસ્લિમોની દયાભાવના!

માઝૂર (વિકલાંગ) લોકોની અદ્ભુત દેખભાણ

એક વખત હઝરત તલહા(રદિ.) એ રાતના અંધકારમાં ખલીફએ ઈસ્લામ અમીરુલ મુઅ્મિનીન હઝરતે ઉમરે ફાઝલ (રદિ.)ને એક ઘરમાં જતા જોયા. એમણે તે ઘરને ઓળખી લીધું. વહેલી સવારે જ્યારે આ વાતની તપાસ અને ભાણ કરવામાં આવી કે ખલીફા અડધી રાત્રે આ ઘરમાં કેમ આવ્યા હતા..? એમના આવવાનો મતલબ અને મકસદ શું છે..?

એ ઘરમાં પ્રવેશતા હઝરત તલહા(રદિ.) એ જોયું કે એક આંધળી, લૂલી, લંગડી, અપંગ અને વિવશ વૃદ્ધા એ ઘરમાં બેઠેલી છે. મેં તેને પૂછ્યું: “અંધકારમય રાત્રે જે માનવી તમારી પાસે આવે છે, એ શા માટે આવે છે?”

તેણે જવાબ દીધો: “તે એક લાંબી મુદ્દાથી મારા ખબરઅંતર પૂછે છે, મારી સારસંભાળ રાખે છે, મારા ઘરનો કચરો-પૂંજો સાફ કરે છે અને મને મારી જરૂરિયાતની ચીજો લાવીને આપે છે.”

આવા હતા ઈસ્લામના શાસકો અને, આવી હતી એમની લોક સેવા..!

‘હિકમત-એ-નમાઝ’

નમાઝના આઘાત્મિક અને શારીરિક લાભ

ઈસ્લામના પાંચ સુતુનોમાંનો એક સુતુન એટલે નમાઝ. નમાઝ દરેક બાલિગ મર્દ અને ઔરતો પર પાંચ ટાઈમની ફરજ ઠરાવવામાં આવેલ છે. નમાઝની ફજીલતને લગતી અઢળક હદીસો મોલુદ છે, જેમાં નમાઝની અદાયગી વડે અલ્લાહની ખાસ રજામંદી અને એના અદા કરનાર માટે અનેક ઈનામો-ઈકરામ પવિત્ર કલામે પાકમાં દર્શાવેલા છે.

નમાઝમાં સંખ્યાબંધ આઘાત્મિક અને શારીરિક લાભો છે, તેમ છતાં એ યાદ રહે કે નમાઝ એ યોગ કે કસરત નથી. નમાઝ અલ્લાહની મહાન ઈબાદત છે. એ માત્ર એને રાજ કરવા માટે અદા કરવામાં આવે છે. જે લોકો નિયમીત નમાઝ અદા કરે છે તેમને અલ્લાહની રજામંદી ઉપરાંત શારીરિક સ્વાસ્થ્યના પણ સંખ્યાબંધ લાભો પ્રાપ્ત થાય છે.

નમાઝ બંને હાથોથી માંડીને પગ અને ઘૂંટણના સાંધા, કમર, પેટ, કરોડના મણકા, ગરદન, ચહેરો, માથું, મગજ વગેરેને સર્વ પ્રકારના રોગોથી સુરક્ષિત રાખે છે. મેડિકલ રિસર્ચ પ્રમાણે રુકૂઅ, જઠર અને આંતરડાની મોટાભાગની તકલીફો દૂર કરવા ઉપરાંત વધારાની ચરબી દૂર કરવાનું નિમિત્ત બને છે. કરોડના હાડકાં માટે એ અસામાન્ય કસરત છે. તેમ જ કાયમી કબજિયાત માટે પણ અત્યંત લાભદાયી છે. રુકૂઅ પછી જ્યારે નમાઝી કબ્જની સ્થિતિમાંથી સીધો ઊભો થાય છે ત્યારે થોડીક સેકન્ડ માટે ઊભા થવાથી સ્વાસ્થ્યને અસામાન્ય લાભ થાય છે. આ સ્થિતિમાં કમર અને પેટના સ્નાયુઓ સુધી રકત અને પોષક તત્વો વધુ સારી રીતે પહોંચી જાય છે. રુકૂઅની હાલતમાં શરીરનું લોહી શરીરના ઉપરના અડધા ભાગમાં ખાસ કરીને મગજ, આંખ, નાક, કાન અને ફેફસાં તરફ વધી જાય છે. આ સ્થિતિ લગભગ ૨૧ સેકન્ડ સુધી જળવાઈ રહે છે. સિલ્વદહની સ્થિતિ માનસિક વ્યાકુળતા, બેચેની, ઉકળાટ, ઘિડિયાપણું અને અનિદ્રા માટે અત્યંત ઉપકારક છે.

નમાઝ માનસિક શક્તિનો સરળ નુસખો છે. નમાઝમાં અલ્લાહતઆલાનો ઝિક્ર છે અને અલ્લાહતઆલાનો ઝિક્ર હૃદયની શાંતિ અને સંતોષનો શ્રેષ્ઠ ઉપચાર છે. નમાઝ પઢતા પહેલાં જે વુજૂ કરવામાં આવે છે, એનાથી સમગ્ર શરીરમાં ઊર્જાનું મોલું ફરી વળે છે, જેના પરિણામે (બ્લાડ પ્રેશર) રક્ત સંચાર નિયમિત થાય છે.

એક ફરજની અદાયગી કરતા-કરતાં આ બધો ફાયદો પહોંચે તે નફામાં...!



HM GROUP

HM PRESENTS
My Magical Home Deals

DEALS THAT WORK FOR YOU

**TREAT YOURSELF TO IRRESISTIBLE PROPERTY DEALS
ACROSS NORTH, SOUTH, EAST & CENTRAL BENGALURU**

HM Constructions brings magical home deals to your doorstep. This once-in-a-lifetime offer is all about exclusive deals that work for you. HM's undeniable opportunity gives you full leeway on how you wish to invest or buy your future home.

Your Deals Now **080 42 555 555**

hmconstructions.com

ડોમી એકતા અને ભાઈચારાના પ્રતિક સમો મુસ્લિમ સમાજનો સૌથી મોટો તહેવાર 'રમઝાન ઇદ'

હરખની હેલીએ હીલોળા લેતા હૈયાઓ પવિત્ર રમઝાન માસની ચાંદ રાતે ત્યારે ઝૂમી ઉઠે છે, જ્યારે ગગન ઉપર છવાયેલા વાદળો સાથે સંતાકુકડી રમતો આછો-પાતળો અને ખુબસુરત ઇદનો ચાંદ નજર આવે છે!

આખું વર્ષ મહેનત અને માલીકના આદેશોનું પાલન કર્યા પછી વર્ષના અંતે જ્યારે બોનસનો દિવસ આવે અને જે ખુશી ઉમંગ અને અદમ્ય ઉત્સાહ એ કર્મચારી કે કામદારને થાય લગભગ એનાથી બમણી ખુશી માત્ર ને માત્ર પાલનહારની રઝામંદી પ્રાપ્ત કરવાના આશય સાથે સતત એક મહિનાના રોઝા, બંદગી અને ઇબાદતોની કઠિન તપસ્યા પાર કર્યા પછી એના બદલ અને ઇનામ સ્વરૂપે ગણાતા રમઝાન ઇદના દિવસે દરેક મુસ્લિમ બીરાદર અનુભવે છે.

આબાલ વૃદ્ધનું હૈયું ઇદના ચાંદના દીદાર થતાં વેત હરખમાં જાણે કે ઝૂમી ઉઠે છે, કદમ ધરતીનો સથવારો છોડી નબની ઉંચાઈઓ પર જાણે કે ઉડવા લાગે છે...આવો અદકેરો આનંદ અને અવર્ણનીય ઉત્સાહ ફક્ત આ દિવસે જ અનુભવી શકાય છે. ગમે તેવા ગમઝઠા દિલમાં પણ ખુશીભરી મુસ્કાનની સરવાણી કુટી નીકળે તેનું નામ એટલે 'રમઝાન ઇદ'...!

પરંતુ ખરી ઇદ ત્યારે ઉજવાઈ એમ કહેવાય જ્યારે ફક્ત હાથ થી હાથ કે ગળે થી ગળે મળાય એટલું જ નહીં પણ તમામ જાતી-જાતી, ધર્મ-કૌમ કે ફીરકા-પંથકના ભેદભાવ ભુલી દિલો થી દિલોનું મિલન થાય આમ ઇદની ખુશી અને આ તહેવાર સાચા અર્થમાં ફક્ત મુસ્લિમો માટે નહીં પણ સમસ્ત વિશ્વ માટે એકતા-ભાઈચારા, અમન અને શાંતીના પયગામ રૂપ બની રહે. દિલ અને દીમાગોમાં ભરાયેલ વેર-ઝેરની ભાવનાઓનો ખત્મ થાય.

જે રીતે રમઝાન શબ્દ અરબી 'રમ્દ'(અર્થ : બળબળતી ગરમીમાં રહેવું) શબ્દમાંથી બનેલો છે તે જ રીતે ઇદ અરબી 'ઔદ' શબ્દમાંથી બનેલ છે જેનો અર્થ ખુશી થાય છે. આમ આ શબ્દાર્થ પ્રમાણે ધીરજ, સાહસ અને સહનશક્તિ રાખી બળબળતી

ગરમીમાં ભુખ્યા-તરસ્યા શુષ્કતામાં રહી રોઝાની અદાયેગી કરવામાં આવી તેઓ ઇદની બેસુમાર ખુશીઓ અને અગણિત ખુદાઈ ઇનામોના ખરેખર હકદાર બને છે.

નબવી ફરમાન છે, દરેક કૌમની એક ઇદ હોય છે અને આજનો દિવસ આપણી ઇદનો દિવસ છે. ઇદ માત્ર એક તહેવાર જ નહીં પરંતુ એકતા અને કૌમી ભાઈચારાનો એક મિલ્લી પયગામ છે. તેની એક અનોખી તવારીખ છે જેનાં થી ફક્ત મુસ્લિમો જ નહીં દુનિયાની અન્ય કૌમો પણ માહિતગાર છે.



રમઝાન માસ પસાર થયા પછી પણ પરવરદીગારની કૃપા વરસાદની ધારાની જેમ સતત વરસતી રહે છે, એમના માટે કે જેમણે આ મુબારક માસને ઉપાસના તથા બંદગીથી સમૃદ્ધ રાખ્યો હતો.રોઝાના નામ પર સ્વયંને ભૂખ-તરસમાં રાખ્યો, રાત્રે તરાવીહ જેવી મહત્વની અને અન્ય નફિલોને પાઠંટી(નિયમીતતા)ની સાથે અદા કર્યા. એવી જ રીતે એમણે ઇમાન તથા ઇહતિસાબ (આત્મખોજ સાથે પૂરો માસ વ્યતીત કર્યો) જ્યારે ઇદની રાત્રી આવે છે તો સામાન્ય રાત્રીઓના સિવાય તેને લયલતુલ જાઈઝલ ના નામથી ઉલ્લેખવામાં આવે છે. અર્થાત્ આ રાત્રે પરમકૃપાળુ ના તરફથી ઉપહારો-ઇનામોની મુશળધાર વર્ષા થાય છે.જ્યારે સવાર થાય છે ફરિશ્તાઓ(દુતો) બધી ગલીઓ અને સડકોના કિનારે ઊભા રહીને અવાજ લગાવે છે ; હે આકા(સ.)ની ઉમ્મત ! તમે રબ્બે કરીમની બારગાહ તરફ ચાલો, જે સૌથી વધારે ઉપહાર-ઇનામ આપનારો છે અને મોટામાં મોટા કસૂરને માફ કરનારો છે. લોકો જ્યારે ઇદગાહ તરફ જાય છે ખુદ પરવરદીગાર ફરિશ્તાઓને પૂછે છે કે 'એક મજૂરનો બદલો શો છે, જે પોતાનું કામ સંપૂર્ણ કરી ચૂક્યો હોય

?' ફરિશ્તાઓ અર્જ કરે છે કે; હે અમારા માબૂદ ! એનો બદલો એ જ છે કે તેની મજૂરી પૂરેપૂરી આપી દેવામાં આવે. પરવરદીગાર ફરમાવે છે કે, હે ફરિશ્તાઓ ! ગવાહ રહો કે મેં તેમને રમઝાનના રોઝાઓ અને તરાવીહના બદલામાં પોતાની ખુશનૂદી અને મગફિરત(મોક્ષ) અતા ફરમાવી. માંગો ! કસમ છે મારી ઇજજતની, મારા જલાલની પોતાની આખિરત(મૌત પછીની જીંદગી) માટે જે માંગશો તે અતા કરીશ, અને દુનિયા બાબતમાં સવાલ પર આપની મસ્લેહત(સંજોગો) અનુસાર વિચાર કરીશ...! ખુદ ફરિશ્તાઓ પણ શાને-ઇલાહાહીની આ અતાઓ ઉપર જશન અને ખુશી મનાવે છે..!

તાત્પર્ય એ છે કે ઇદનો દિવસ આ રીતે અઢળક ખુશી અને એક મોમીન માટે મોટી અને મહાન સફળતા પ્રાપ્ત કરવાનો તેમજ અદમ્ય ખુશી અને આનંદનો અનુભવ કરવાનો દિવસ બની રહે છે, કારણકે ખુદ પાક પરવરદીગાર સ્વયં બંદાથી રાજ થઈ દુનિયા અને આખીરતની તમામ ભલાઈના તેના માટે જાણે કે દ્વાર ખુલ્લા મૂકે છે. એક મોમીન માટે આનાંથી વધુ ઉત્તમ કઈ ભેટ ગણી શકાય..? અને આનાંથી કયો ઉચ્ચ દિવસ સમજી શકાય..?

આવો ! આ સપરમા દીવસે દઢ સંકલ્પ કરીએ કે નાત-જાત, ધર્મ-જાતીના ભેદભાવ ભૂલી માનવમાત્ર ને મદદરૂપ બનીએ અને સામાજિક વિકાસમાં અગ્ર રહી દામે-દીરહમે-સુખને મહત્તમ ફાળો આપીએ. આ દિવસ પામનાર મેમન સમાજ કોલમના મેમન તથા તમામ જાતી-કૌમ-ધર્મ, પંથકના માનવંતા વાયકોને AIMJF પ્રેસિડેન્ટ તથા આ કોલમના સંપાદક ઇકબાલ મેમન ઓફિસરના હૃદયપૂર્વક ખૂબ...ખૂબ ઇદ મુબારક.

પ્રસ્તુતકર્તા :
- રીયાઝ મેવાવાલા
(મેમન ટાઈમ્સ)

Head Office :
15/16, Haroon Manzil, Imamwada, Bhandi Bazar, Mumbai 400 003 Tel : 2371 8402, 23735007,
BRANCHES :
METRO OPTICIAN : Bhandi Bazar, Mumbai. Tel : 23718402
METRO OPTICIANS : Shop No. 6, Gr. Flr. Keshavji Bldg. Gamdevi Mumbai-7 Tel : 23827463
METRO OPTICIANS : Shop No.4, Western Breeze, Hsg. Soc.Ltd. Shaheed Bahgat Singh Road, Opp.Cusrow Bag Gate, Colaba, Causeway, Mumbai 400039 Tel : 22020530
METRO OPTICIANS : Deccan Gymkhana, Next to Poona Stock Exchange Pune, 411004, Tel : 552 1619
METRO OPTICIAN : Shop No.21, Grace Church Bldg. Opp. Lohiya Maidan, Margao - 403601 Goa, Tel : 2732786
METRO OPTICIANS : Vasco Goa Tel : 22517 866
METRO OPTICIAN : 205 SV Road, Opp. Andheri Rly Stn. Andheri (W) Mumbai 400 058, Tel: 26286734 / 26285495
METRO OPTICIAN : Shop No.11, Pipewala Bldg. Opp. Came Wafer Pasta Lane, Colaba Mumbai-400005, Tel : 22022020
METRO OPTICIAN : Habib Court Colaba Causeway, Mumbai. Tel: 22020530
METRO OPTICIAN : 18th June Road, Panjim, Goa, Tel : 2223786



ATLAS
Umrah

www.atlasumrah.com

Keep coming back to **Allah**,
For here is where you belong.



ATLAS TOURS & TRAVELS PVT. LTD.

022 61411000 | SMS "ATLAS UMRAH" TO 56767

HEAD OFFICE: "HAJI MAHAL", 53, Mohammed Ali Road, Mumbai – 400 003.

MUMBAI | AHMEDABAD | BANGALORE | DELHI

‘હું ધર્મ બોલું છું!’

(બોધ કથા)

- હું ધર્મ બોલું છું, અત્ર-તત્ર-સર્વત્ર વ્યાપેલો. મને ઓળખો, સમજો અને મને માનીને જીવો.
- મારું પ્રવેશદ્વાર ‘શ્રદ્ધા’ છે.
- હું અલ્લાહ-ઈશ્વરનો સ્વર છું.
- મારું સામ્રાજ્ય દુનિયાના દરેક દેશમાં છે.
- હું ઈશ્વર-અલ્લાહે આપેલી આ ધરતીની સૌથી અમૂલ્ય, અનોખી-અનેરી, આહુલાદક, અભુતપૂર્વ, અદ્ભુત, અલૌકિક અને અતિઉત્તમ આધ્યાત્મિક ભેટ છું.
- હું મનુષ્યના આલોક અને પરલોક સુધારવા પૃથ્વીલોક પર આવ્યો છું.
- હું ‘આત્મા’ અને ‘પરમાત્મા’ વચ્ચેનો સેતુ છું.
- હું એકમાત્ર એવી ‘નિસરણી’ છું, જે ઈશ્વર-અલ્લાહ સુધી લઈ જાય છે.
- હું આકાશ પરથી ઊતર્યો જ છું. એટલા માટે કે તમને ‘જમીન’ પરથી ‘આકાશ’માં લઈ જાઉં.
- આ ઈ-સાન ક્યારે સમજશે કે હું લોહી ‘વહાવડાવવા’ નથી આવ્યો, લોહીમાં ‘વ્યાપી’ જવા માટે આવ્યો છું.
- મને ‘જિગર’થી માનશો તો

- ‘આનંદ’ બનીને તમારા લોહીમાં વસીશ ને ‘ઝનૂન’થી માનશો તો ‘આંતક’ બનીને તમારું લોહી ઉકાળી દર્શશ !
- મારો ‘આધાર’ લઈને મનુષ્યે ઘણાને ‘નિરાધાર’ બનાવી દીધા છે.
- મને ન માનનારા કરતાં મારા પર વધુમાં વધુ જુલમ કોઈએ કર્યો હોય તો તે મને માનનારાઓએ જ કર્યો છે!
- મને ‘માનવા’ કરતાં મને ‘મનાવવાની’ જીદના કારણે વધુમાં વધુ વિસંવાદ, વાદ-વિવાદ, વિખવાદ અને વિઝાદો થયા છે-થાય છે!
- મને માનવો હોય તો ‘દિલ’થી માનો, ‘દલીલો’થી નહીં.
- મારા માટે લોકો ‘લડી-મરી’ પડે છે, પણ મને ખરેખર પાળીને ‘જીવે’ છે કેટલા?
- મારા સ્વરૂપની આસપાસ લોકોએ અંધશ્રદ્ધાના એટલા બધા પડદા નાખી દીધા છે કે મને મોકલનાર ઈશ્વર તો એમને દેખાતો જ નથી!
- મારા નામે જેટલાં ધર્તિંગ ઘાય છે તેટલા બીજા કોઈના નામે નથી થતા.
- કઈ ‘દિશા’માં ચાલવાથી તમારી શું ‘દશા’ થશે એ સમજાવવા આ જગમાં હું આવ્યો છું.
- હું એક એવો ‘પારસમણિ’ છું, જે જેના દિલને સ્પર્શું તેને ‘સોનું’ બનાવી દઉં.

(ઇબ્રાહિમ એ. વાદરિયા)

માલીકે નોકરને કહ્યું ઓફિસની પેલી બારીના કાચ ઉપર બે ડાઘ દેખાઈ રહ્યા છે એને લુછી નાખ. નોકરે કાચ ઉપર કપડું ફેરવી નાખ્યું અને માલીક સામે આવી ઊભો રહ્યો. માલીકે એના ગાલ ઉપર એક ધપ્પડ લગાવતા કહ્યું કાચ ઉપર ડાઘ તો એવા ને એવા નબર આવી રહ્યા છે..! એને ઘસીને સારી રીતે કેમ સાફ ન કર્યા..? નોકરે ફરીથી સામે વાળી એ જ બારીના કાચને ઘસી-ઘસીને સાફ કરી શેઠના સામે આવી ચુપચાપ ઊભો રહ્યો. પરંતુ હવેતો માલીક ગુસ્સામાં વધુ લાવચોળ થઈ ગયો..! ડાઘદા-પાટુ મારતા બોલ્યો નાલાયક આજકાલ તુ ખૂબજ કામચોર થઈ ગયો છે, કહેલું કામ સારી રીતે કરવામાં તને શું ઝાટકા પડે છે..!? બારી પરના ડાઘ હજુ પણ એવાને એવા જ છે, તું આવી તે કઈ રીતે સફાઈ કરે છે..? નોકર માલીક સામું જોઈ મરક મરક હસી રહ્યો હતો..! માલીકનો ગુસ્સો આકાશમાં સાતમા આસમાન પર પહોંચી ચૂક્યો હતો. તે ઘાંટો પાડીને બોલ્યા અરે બેશરમ! હું તને સજા કરી રહ્યો છું, અને તું છે કે હસ્યે જાય છે..? તારામાં થોડું પણ સ્વમાન બાકી છે કે નહીં..? નોકરે ફરી એજ રીતે હસતા જવાબ આપ્યો, શેઠ સાહેબ! આપને બારી પર બે ડાઘ નબર આવે છે હકીકતમાં તે ત્યાં છે જ નહીં..! પણ, બે યશ્મા આપની આંખો પર લગાવેલા છે તેના કાચ પર જ ડાઘ છે..!! તેને તમો સાફ કરી નાખો, બારી ઉપર દેખાનારા ડાઘ આપો-આપ નીકળી ગયેલા નબરમાં આવશે..!

આ તો એક નાનકડી વાર્તા છે, પણ તેમાં બહુ મોટી શિખામણ છુપાયેલ છે. રંગીન કાચના યશ્મા આંખો પર લગાવવાથી સામેવાળાનો પહેરવેશ, આસપાસનું વાતાવરણ અને દ્રશ્યમાન દરેક ચીજ રંગ-બેરંગી દેખાશે, એજ રીતે સફેદ પરંતુ ડાઘ-દાર, કાળા રંગના કે સુક્ષ્મ દર્શક કાચવાળા યશ્મા પોતાના મનની આંખો પર લગાવશું તો સામેવાળાની ખરાબીઓ, અને નાના-મોટા અવગુણ પણ બહુ મોટા અને ધબ્બેદાર દેખાશે. વળી ખુદ પોતાના જીવનમાં અંધકાર અને ભયાનક ડરામણી છાયાઓ જ નબરમાં આવશે. દ્રષ્ટિદોષના કારણે બીજી વ્યક્તિઓની ચાલ-ચલગત, રીત-ભાત, રંગ-દેંગ, કામ-કાજ, વ્યવહાર-વર્તન અને વિચારોમાં પણ અનુચિત, ખોટું અને વિરોધપ્રેરક પ્રતીત થશે. જેવી દ્રષ્ટિ એવી સૃષ્ટિ..!

માટે તન અને મનની આંખો પર હંમેશા સુંદર, સાફ અને બની શકે તો શુભરંગી કાચના યશ્મા લગાવીને દુનિયાને જોતા રહો, જેથી બીજાઓના અને સ્વયં પોતાના ગુણો અને જગતભરની રંગીનીઓ જોવાનો અદ્ભુત આનંદ મળતો રહેશે.



Ready Possession with BU Permission



Actual View



Actual View

Lifestyle Residential Apartments for the
Elite Muslim Families @ AHMEDABAD
Nr. World Heritage, SARKHEJ ROZA

Al-Burooj

2 & 3 BHK Luxurious &
Spacious Apartments with Shops

Project Highlights

- Allotted Car Parking for Each Flat
- Lush Green Developed Garden
- A.C. Gymnasium & Indoor Games Room
- School Bus Drop-off Zone
- Round the Clock Security Services
- Walking Track
- Amphitheater
- Automatic Elevators with Elegant Foyer
- Children's Play Area



Deep Group of Companies

132 ft. Makarba Road, Near Empire Party Plot
Sarkhej, Ahmedabad - 380 055.

Ph.: +91 79 6525 2581
M.: +91 98252 10034

E-mail: creativedevelopers10@gmail.com
www.alburooj2010.com | www.deepgroup1980.com

openmind

With Best Wishes

Late Haji Ismail Haji Essa
Abdul Razzak Ismail
M. Farook Ismail



SOPARIWALA ASSOCIATES

REGAL CELEBRATION

Plot No -10,11,12, Anant Nagar Binaki Mangalwari Rani Durgawati Square Nagpur - 17 Mobile No : 9822230200

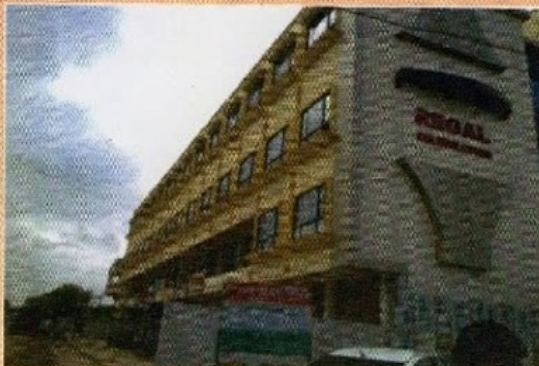
Sopariwala group

ABUBAKAR MITHA

AFZAL ABUBAKER MITHA

A.RAZZAK ESMAIL SOPARIWALA

M.FAROOK ESMAIL SOPARIWALA



Eid Clothing Distribution



ALL INDIA MEMON JAMAT FEDERATION
Youth Wing

Ramadhan Eid Clothing Distribution programme was conducted by Youth Wing of AIMJF on Tuesday, 20/06/2017 at 5 pm in Darul Yatama Orphanage (69 Kambekar Street, Mumbai 400003)

Following Members of AIMJF were present:

- 1) Mr Imran Fruitwala
- 2) Miss Sana Chasmawala
- 3) Hafiz Yasin Asif Officer
- 4) Mr Altaf M H Holy

37 Orphans were gifted with:-

- 1) 2 Pathani Stitched Suits each
- 2) 2 Namaz Cap each
- 3) 2 Banian each
- 4) 2 Handkerchief each

May Almighty ALLAH bless us all with good deeds, Ameen.

Iftar Party at Madina Munawwarah



Iftar party hosted by Farid Abdul Sattar Memani at his residence on 9th Ramazan i.e, on 4th June, 2017 in Madina Munawwara. Guest attended Iftar party were Saudi citizen "shyekhs" originally "Memons".

Iftar Party at Makka Mukarramah



'Iftaar Dinner' hosted by Janab Majid Bhai Ranani (Vice President - AIJMF), attended by Mr. Iqbal Memon Officer & Guests on Sunday, 11/06/2017 At DARAL Gufran HOTEL, Zam Zam Tower, Makkah Mukarrama.



Abdul Razzak And Sons

Importers, Exporters and Wholesalers of Footwear

Mustafa Kheradia
(Managing Partner)
+91-9820101936

98, Kambekar Street, Near Mohammed Ali Road, Mumbai - 400 003. INDIA
Tel.: +91-22-23456357 / 23456418 Fax: +91-22-23456250
Email: ars_exports@hotmail.com

PEARL REALTORS & DEVELOPERS

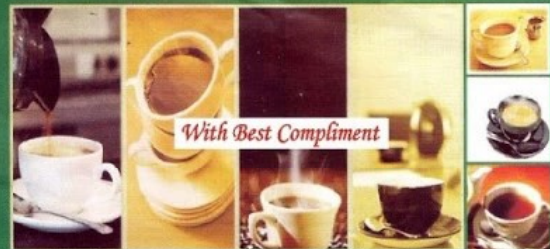
Asif Usman Abbajumma (98210 80756)
Director

Partners.

Asif Usman Abbajumma
Asif Aslam Nirban
Abdul Kadar Kulsawala



Office No. 101, 1st Floor, 52/54, Nakhuda Street, Mumbai - 400 003.



THEKIYA GROUP OF COMPANIES, AKOLA

Kohinoor
TRADING CO.

Kirana Bazar,
AKOLA (M.S.) - 444001
Tel.: 0724-2430107

Darjiling
Tea Co.

S.No: 153, Washim Road,
CHANDUR, AKOLA
☎ (Fac.) 6513301

e-mail: bilalthekiya@yahoo.com

फरीदा आपा आगबोटवाला की डायरी से मुनतखब अशाआर

पूछ लेना तूफान में घिर के बचने वालों से
नाखुदा ज़रूरी है या खुदा ज़रूरी है

(जमील इबने शकील)

पाक है गुनाहों से जिन की जिन्दगीयाँ
रहमत-ए-खुदावंदी उन के घर बरसती है

(हफोज़ दुर्गानी)

नहीं है रह गुज़र जिन्दगी में हम तनहा
हमारे साथ में उम्मीदों की बारात भी है

(जमील इबने शकील)

लगता नहीं है दिल मेरा उजड़े दयार में
किस की बनी है आलमे नापाईदर में

(बहादुर शाह ज़फ़र)

उलटी हो गई सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया
देखा! इस बीमारी-ए-दिल ने आखिर काम तमाम किया

(मीर तक़ी मीर)

हज़ारों ख्वाहिशो ऐसी के हर ख्वाहिशे पे दम निकले
बहुत निकले मेरे अरमों लेकिन फिर भी कम निकले

(गालिब)

लाई हयात आये, कज़ा ले चली चले
अपनी खुशी न आये न अपनी खुशी चले

(ज़ौक)

अब तो घबरा के ये कहते हैं कि मर जाएंगे
मर कर भी चैन ना आया तो किधर जायेंगे

(इब्राहीम ज़ौक)

गुंचे तेरी जिन्दगी पे दिल हिलता है
बस एक तबस्सुम के लिये खिलता है
गुंचे ने कहा कि इस चमन में बाबा
ये एक तबस्सुम भी किसे मिलता है

(जोश मलीहाबादी)

हंसी की महफिल

एक बच्चा चाकलेट खा रहा था तो आदमी ने कहा
इतने चाकलेट खाना अच्छी बात नहीं होती।
बच्चे ने कहा मेरे दादा जी १०५ साल जिये थे।
आदमी ने कहा कया वह चाकलेट खाते थे।
बच्चे ने जवाब दिया नहीं वह अपने काम से काम
रखते थे।

डा. आप के दांत कैसे टूट गए ?
मरीज़: जी बीवी ने कड़क रोटी बनाई थी।
डा. तो खाने से इनकार कर देते।
मरीज़: जी वही तो किया था तभी ये हाल हुआ।

बेटा: अब्बा जान कया आप अंधेरे में लिख सकते हैं
बाप: हाँ कयों नहीं ?
बेटा: तो फिर बल्ब बुझा कर मेरी स्कूल की रिपोर्ट
पर दस्तखत कर के दिखाएँ।

बीवी: तुम सोते हुए मुझे गालियां दे रहे थे।
शौहर: तुमहें गलत फहमी हुई है।
बीवी: कया गलत फहमी हुई है।
शौहर: यही कि मैं सो रहा था।

बीवी: मेरी तबीअत ठीक नहीं लग रही है।
शौहर: ओह खुदाया मैं तो शापिंग पर तुमहें साथ ले
जाने का सोच रहा था।
बीवी: मैं तो मज़ाक कर रही थी।
शौहर: मैं भी मज़ाक कर रहा था। चलो उठो और
घर के बाकी काम पूरे करो।

लड़के अपने मोबाईल की हिफाज़त ऐसे करते हैं
जैसे अम्मी अपने जहेज़ के बर्तनों की किया करती
हैं।

बीवी पूरे १५ मिनट तक अपने खामोश शौहर पर
गिरजने के बाद बोली मैं लड़ाई खत्म करना चाहती हूँ
मगर तुमहारी इस गोंगी बदमाशी की वजह से घर
जहनुम बना जा रहा है।

حکایت رومی

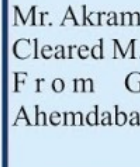
ایک چور ایک باغ میں گھس گیا اور آم کے درخت پر چڑھ کر آم کھانے لگا۔۔۔ اتفاقاً باغبان بھی وہاں آ پہنچا اور چور سے کہنے لگا
۔۔۔ اوے شرم یہ کیا کر رہے ہو؟ چور مسکرایا اور بولا۔ ارے بے خبر یہ باغ اللہ کا ہے اور میں اللہ کا بندہ ہوں، وہ مجھے کھارہا ہے اور
میں کھارہا ہوں، میں تو اس کا حکم پورا کر رہا ہوں، اور نہ تو پیٹھ بھی اس کے حکم کے بغیر حرکت نہیں کر سکتا۔ باغبان نے چور سے کہا۔ جناب!
آپ کا یہ وعظ سن کر دل بہت خوش ہوا۔۔۔ ذرا نیچے تشریف لائے تاکہ میں آپ جیسے مومن باغدار کی دست بوی کروں۔۔۔
سبحان اللہ اس جہالت کے دور میں آپ جیسے عارف کا دم نہیں ہے۔۔۔ مجھے تو مدت کے بعد توحید و معرفت کا یہ نکتہ ملا ہے جو کرتا
ہے۔۔۔ خدا ہی کرتا ہے۔۔۔ اور بندے کا کچھ بھی اختیار نہیں۔۔۔ قبلہ ذرا نیچے تشریف لائے۔۔۔ چور اپنی تعریف سن کر
چھوٹا نہ پایا اور جھٹ سے نیچے آتر آیا۔۔۔ پھر۔۔۔ جب وہ نیچے آیا تو باغبان نے اسکو پھلایا اور سری کے ساتھ درخت سے ہانڈ
دیا۔ پھر خوب مرمت کی، آخر میں جب ڈنڈا اٹھایا تو چور چلا اٹھا، کے ظالم کچھ تو رم کر دو، میرا اتنا جرم نہیں جانتا تو نے مجھے مار لیا ہے۔
باغبان نے نہیں کراس کہ کہا کہ جناب! بھی تو آپ نے فرمایا تھا کہ جو کرتا ہے اللہ کرتا ہے، اللہ کے حکم کے بغیر کوئی کچھ نہیں کر سکتا، اگر
بیل کھانے والا اللہ کا بندہ تھا تو مارنے والا بھی تو اللہ کا بندہ ہے اور اللہ کے حکم سے ہی مارا ہوا ہے کیونکہ اس کے حکم کے بغیر تو پیٹھ بھی نہیں
ہلتا۔ چور ہاتھ جوڑ کر کہنے لگا۔۔۔ خدا راجھے چھوڑ دے۔۔۔ اصل مسئلہ میری سمجھ میں آ گیا ہے۔۔۔ کہ بندے کا بھی کچھ
اختیار ہے۔۔۔ باغبان نے کہا۔۔۔ اور ای اختیار کی وجہ سے اچھے یا برے کام کا ذمہ دار بھی۔۔۔!

हमें नाज़ है तुम पर

M. Abbas A Rauf Langha from
Amravati, secured 70 % in H.S.C
(12th Std) from Maharashtra
Board. Memon Times congratulate
him and wishes him many more
success.



Mr. Abdullah M. Ilyas Pariyani
(Ahmedabad) cleared M.Sc. (IT)
securing 90.5% from GLS
University, Ahemdabad. He also
achieved 3rd rank in the University.



Mr. Akram Nathani (Ahemdabad)
Cleared M.sc. (IT) Scoring 72.5%
From GLS University,
Ahemdabad.



Farhana Farooq Bavani, scored
99.72 % in medical stream from
Gujarat Board. Memon Times
Congratulates her and her family,
its a proud moment for Memon
community to have such bright
students in our community.

دس سالہ بچی کا این جی اوز والوں کے نام خط

احسن لاکھانی

السلام علیکم میرا نام کنزرا ہے۔ ہم آپ کے دفتر کے پیچھے والی ہستی میں رہتے ہیں۔ کچھ دن پہلے
آپ ہمارے غریب خانے تشریف لائے تھے یہ دیکھنے کہ ہم غریب ہیں کہ نہیں تاکہ آپ ہماری مالی
مدد کر سکیں، کچھ دن بعد پھر آپ پانچ لوگوں کے ہمراہ ہمارے گھر آئے ہمیں راشن دیا، امی، میرے
اور بھائی کے لئے عید کے جوڑے دیئے تصویر بنوائی اور چلے گئے۔ انکل آپ کو معلوم ہے میں جب
چار سال کی تھی تب میرے بابا اللہ کو پیارے ہو گئے تھے۔ بابا کے جاتے ہی دادی نے امی کو مار مار کر
گھر سے نکال دیا۔ اُس وقت بھائی امی کے پیٹ میں تھا اور میں چار سال کی چھوٹی سی بچی تھی۔ امی
در در کی ٹھوکریں کھاتی رہی، کسی رشتے دار نے بھی ہماری مدد نہ کی، ہمارا کوئی پرسان حال نہ تھا۔ امی
گھر کے برتن دھوئی، صفائی کرتی پھر جا کر کچھ پیسے جمع ہوتے جس سے وہ میرا اور اپنا پیٹ بھرتیں
پیٹ تو امی کا امیر لوگوں کی گالیاں کھا کر بھی بھر جاتا تھا وہ کام کرتی تھیں۔

امی میرے سامنے تو ہمیشہ مسکراتی رہتی ہیں پر مجھے معلوم ہے رات کو وہ چپ چپ کر روتی ہیں اور اپنا
غم حلقہ کرتی ہیں۔ میں امی کو دلا سہ بھی نہیں دے سکتی کہ سب ٹھیک ہو جائے گا ہم غریب لوگ اکثر
ایسے رو کر ہی اپنی زندگی کا بوجھ حلقہ کیا کرتے ہیں۔ کل امی پھر بہت رو رہی تھیں نہ جانے کیا وجہ تھی کہ
وہ چپ ہی نہیں ہو رہی تھی۔ جب آنکھوں سے آنسو سوکھ گئے تو وہ سو گئی۔ میں اٹھ کر ان کے پاؤں
دبانے لگی تاکہ ان کو کچھ آرام آجائے پاؤں دباتے دباتے میری نظریاں کے ہاتھوں میں رکھے اخبار
پر پڑی جس میں امی، میری اور بھائی کی آپ سے راشن اور کپڑے امداد کے طور پر وصول کرنے کی
تصویر تھی۔ میں سمجھی امی کیوں رو رہی تھی۔ پچھلے سال بھی ایسا ہی ہوا تھا ان تصاویر کی وجہ سے محلے
میں سب نے ہمارا خوب مذاق بنایا تھا۔ جب ہم عید کے کپڑے پہن کر باہر کھیلنے گئے تو سب ہمیں
بھکاری بھکاری کہہ کر گنگ کر رہے تھے۔ امی کو بھی محلے والے حقارت کی نظروں سے دیکھتے ہیں۔

انکل، آپ سے درخواست ہے آپ نے سچے اور راشن والیں لے جائیں مجھے میری امی سے بہت
محبت ہے ہماری وجہ سے انکے آنکھوں میں آنسو آئیں یہ مجھے منظور نہیں، ویسے بھی ہم غریبوں کی عید
نہیں ہوتی۔ آپ سے ایک اور درخواست ہے کسی بھی غریب کی مدد کریں تو اسے اخبار میں نہ دیا
کریں بعد میں اسے جو تکلیف اٹھانی پڑتی ہیں اسکا آپکو اندازہ نہیں۔ اپنے سچے رشتے دار تک
حقارت کی نظروں سے دیکھتے ہیں۔ اللہ نے آپکو دولت دی ہے اس میں آپکا تو کمال نہیں اللہ نے
ہمیں غریب بنایا ہے اس میں ہمارا قصور تو نہیں۔ اللہ سب کو خوش رکھے۔ آمین۔

Congratulation from Memon Times for making our community proud



The Dubai Chamber of Commerce and Industry hosted on Sunday a special ceremony at its head office to recognize member companies that have demonstrated outstanding export performance during the first four months of 2017.

During the ceremony, H.E. Hisham Al Shirawi, 2nd Vice-Chairman, Dubai Chamber, congratulated the companies and presented their representatives with a certificate of recognition and an SME Exporter.

"We believe that recognizing the hard work and effort demonstrated by top-performing companies goes a long way in motivating Dubai Chamber members and

other businesses in the emirate that operate in the realm of trade," said H.E. Al Shirawi.

He explained that the Exporter of the Month initiative helps the Chamber take the pulse of the trade sector, and learn more about effective and sustainable business practices which ultimately enhances the competitiveness of the private sector.

"We are confident that the awarded companies will continue to be role models and a source of inspiration for many other members of the Chamber and we look forward to honoring many more companies in the coming months," H.E. Al Shirawi added.

For Ladies & Gents
SHABAB-E-HAYAT TEL
KI SHAN BAALON MEIN DALE JAAN
STOPS HAIRFALL AND DANDRUFF.
FOR DARK, THICK, LONG AND STRONG HAIR
A Product from The House of : **LOOKMAN -E- HAYAT TEL**
Available at all stores & Chemist.

Farook Husain

Cell : 98212 12159
99672 37552



Adlakhia CONSTRUCTION
MARKUP BUILDERS & DEVELOPERS LTD

BUILDERS AND DEVELOPERS

59, Abdul Rehman Street, Ayesha Manzil, Shop No. 2,
Ground Floor, Pydhone, Mumbai - 400 003.



Builders of repute

SUHAIL CONSTRUCTIONS PVT. LTD.

KHANDWANI EXPORTS PVT. LTD.

Khandwani Group 14, Pathan Manzil, Balamiya Lane, Mahim, Mumbai - 400 016.
Tel.: 2444 1964 / 2444 1965 / 2444 1966 Fax : 009122 - 2444 9727
Email : khandwani@khandwanigroup.com
www.khandwanigroup.com

Fohad A. Latiwala C.M.D

Mobile No.: 9987363344, Email Id: fohad.latiwala@gmail.com



H.O.: 204, Millennium Plaza,
Behind Sakinaka Telephone Exchange,
Andheri Kurla Road.Andheri (E),
Mumbai - 400 072.

Saami Tradestar Logistics Ltd.

Tel. 91-22-66711 463 /464 /28510106,
info@tradestarindia.com

Awards & Recognition



cubi shop.com

Buy More. Pay Less

851/A, Ground Floor, B Block, Aecs Layout, Off Hour Main Road,
Opp. to Skoda Show Room, Bangalore - 560 068
support@cubishop.com www.cubishop.com



AND MANY MORE

10/F, Mau Lam Comm. Building, 16-18 Mau Lam Street,
Jordan, Kowloon, Hong Kong.

Tel: (825) 27739741

www.tradestarthk.com



TRADESTAR EXPRESS LOGISTICS LLP

H.O.: 204, Millennium Plaza, Behind Sakinaka Telephone Exchange, Andheri Kurla Road.Andheri (E),
Mumbai - 400 072. Tel. 91-22-66711 463 /464 /28510106, info@tradestarindia.com

All Indore Memon Jamat - Programme



Shriman Kailash Vijaywargiya Ji Ex Cabinet Minister M.P Govt. Presenting with Rashtriya Memento to Mahasachiv Govt Of India Bjp.



"Dynamic President" Award Presented to Faisal Ibrahim Supediwala, President All Indore Memon Jamat by Iqbal Memon (officer) along With Aimjf Office Bearers.



Haji Abdul Sattar Lada Memorable Award (Cycle) allotted to winner of lottery.



Award given By Hajiyani Zaitun Bai Supediwala Laptop From Ibrahim Haji Habib Supediwala Memorable Award

Good food
hamara commitment,
isliye dikhe passion
in every ingredient.

Premier
FROZEN FOODS

Passion in every ingredient



For enquiries, please call us on 022-22791122 or email us at weccare@premierfoodsindia.com

A Quality product from the house of **FAL**

Falguno Albani Ltd.

MEMON TIMES
मेमन टाइम्स

Please visit Memon Times Online
Visit us at website

www.memontimes.com

and for online Magazine goto :

www.memontimes.blogspot.com

Scan And Visit



Scan QR code

Web site : www.memontimes.com

For any quires or Suggestion call us at :

+91- 90222 24548/49

Or

Mail us at :

memontimes@hotmail.com /
memontimesofficial@gmail.com

Be a Patron Member and
be a part of our Memon Times Family
the biggest circulated
magazine of our Community
Your Co-operation and
contribution will benefit our community



Saniya Sufiyan Rangoonwala

Sewai Recipe For Eid

I prepared Kimami vermicelli on the occasion of Eid. It is usually prepared in every home in northern India on festivals. As it was EID, we prepared a variety of sweet dishes to guests and ourselves but because of so many guests I was not able to take pictures of the presentation and this is the reason that I am using a simple photo above.

Preparation Time: 20 Minutes

Cooking Time: 30 Minutes

Ingredients Quantity

Vermicelli/ Sewai	1 kg
Milk	3 ltr
Khoya	1 kg
Cashew nut	150 gram
Almond	150 gram
Coconut grated	1 whole
Currants/Kishmish	100 gram
Pistachio/Pista	100 gram

Dry dates/ chuwarah 250 grams
Talmakhana 100 grams
Charoli/ Chironji 50 grams
Pure Ghee 250 grams
Cardamom Green 4
Cloves 4
Sugar 3 kg

Gulabjamun Mix Powder 1 kg
Method: 1. Take Banarsi Vermicelli and keep aside. Heat the ghee in Bhagona/ Large pan and temper with



cloves and cardamom green as shown below in picture.
2. Now add vermicelli in pan and roast it till light golden brown as shown below in picture and keep aside.
3. Here is the preparation of sugar syrup for Sewai. Heat another pan with ghee and temper with cloves and cardamom green. Now add 3 ltr

milk in the pan and wait for boiling. Then add 3 kg sugar boil it on medium heat till 2 string sugar syrup prepare.

Note: We have to take sugar three time the amount of Sevai. (if half kg Sevai then 1.5 kg sugar).

4. Chop Talmakhana, cashew nut, almond, pistachio as shown below in picture.

5. Now heat the another pan with ghee and temper with cloves and cardamom green. Then add chopped dry fruits, chironji, kishmish, dry dates, coconut and talmakhana and roast it till nice aroma comes and keep aside. Don't roast it on high heat otherwise it will burn.

6. Heat the pan with ghee and add khoya. Mix well.

7. Now add the roasted vermicelli in two string sugar syrup and mix well. Then add all roasted dry fruits, khoya and gulabjamun. Mix well and cook on slow heat for 15 minutes. Vermicelli is ready and serve it.

8. Here is the prepared Picture of vermicelli.

9. Enjoy!!

Eid-e-Milad in Madina

starting from ₹63000
14 Days Umrah
departures in 1st week of December

Gyarhvi Sharif in Baghdad

starting from ₹67000
9 Days Ziyarat Tours
departure on 6th January, 2017



For Bookings & Inquiries contact:
32, Nakhuda Street, Pydhonie, Mumbai- 400003
+91 97300 22198 / 022 2342 7075 / 022 23449448
bakhlinternational@hotmail.com

The Biggest Ever Lifestyle Weekend Home Bungalow Plot At Murbad.

Booking Amount ₹ 11,000/-
Plot Size 18.8' X 21.6' = 406 Sq. Ft
Rate of ₹ 274 per Sq. Ft
Total plot cost ₹ 1,11,000/-
EASY E.M.I ₹ 2000/- Per Month (For 50 Months)

FESTIVAL OFFER FOR INVESTOR
★★★★ UPTO 45% DISCOUNT ★★★★★
Make Full & Final Payment of ₹61000/- and Get The Benefit of immediate registration & SAVE UPTO ₹50,000/-
Offer Valid Till Diwali 2016

Project By
Corporate Office Address :
The Mumbai Global Land Investment Ltd.
905, 9th Floor, DLH Park, S. V. Road, Opp. MTNL Building, Goregaon (West), Mumbai - 400062.
T : +91 76665 77777 | +91 22 3076 4444 (100Lines)
E : info@mgli.in • W : www.mgli.in
Site Address : Valivare Village, Taluka Murbad, Dist. Thane

The Gift From Allah:

The festival of Eid-ul-Fitr is not something, which Muslims have fabricated, or created on their own, neither is it celebrated in commemoration or remembrance of someone. Rather it is a festival that is a special gift of Allah for Muslims. The Hadith pertaining to it is narrated by Hazrat Anas (RA) in the following manner:

“Holy Prophet came to Madinah, the people had two days in which they used to entertain and amuse themselves. He asked: “What are these two days?” They said: “We used to amuse ourselves and take pleasure in these two days during the Days of Ignorance (jahiliyyah). The Messenger of Allah said, “Allah has substituted for you something better than these two; the Eid of Adha (sacrifice) and the Eid of Fitr.” [Sunan Abi Dawood]

From this Hadith it is clear that the function or festival of Eid is a blessing from Allah Almighty so that Muslims could rejoice and celebrate during the days of Eid. Therefore, if there is an occasion which Muslim can make specific for rejoicing, celebrating and merry making, it is the day of Eid-ul-Fitr and Eid-ul-Adha.

Routine of Prophet Muhammad (PBUH):

There are numerous narrations of different Companions of Prophet Muhammad (PBUH) that show the different activities which the Prophet (PBUH) used to perform during the day of Eid-ul-Fitr. Some of the major activities of Prophet Muhammad (PBUH) specific to this day are discussed below.

Eid Prayer – The renowned Sunnah of Prophet Muhammad (PBUH) pertaining to the day of Eid-ul-Fitr is the offering of Eid prayer. Pertaining to this, Hazrat Jabir bin Samurah narrates: “I prayed with the Messenger of Allah the two Eid prayers more than once or twice, without an Adhan or Iqamah.” (Muslim)

From this narration it is clear that offering the prayer of Eid was an act which Prophet (PBUH) specially performed during the Eid-ul-fitr day.

Eating Food – The preparation and eating of variety of foods in general and sweets in particular is something that is also representative of the day of Eid-ul-

Fitr. Hazrat Anas (RA) narrates:

“Prophet (PBUH) did not go (to the place of prayer) in the morning on the days of Eid-ul-Fitr till he ate some dates, and he used to eat an odd number.” (Bukhari)

Therefore, before going for the Eid-ul-Fitr prayer a Muslim must consider eating something before going to the prayer. In another narration, Hazrat Buraidah (RA) says:

“Holy Prophet (PBUH) did not go out on the day of Eid-ul-Fitr till he had eaten some food; and that he did not eat any food on the day of Eid-ul-Adha (sacrifice) till he had prayed.” (Tirmidhi)

Therefore, on the day of Eid-ul-Fitr a Muslim must ensure that before going to offer prayer he eats something first.

Change of Routes – On the day of Eid-ul-Fitr before going to offer prayer, Prophet (PBUH) would go from one route and come back from the other. This is mentioned in the narration of

rejoice all the good deeds they have undertaken during the month of Ramadan and feed their body for all the deprivation which it has undergone because of fasting for thirty days. However, Eid day does not mean Muslims are free from their regular prayers and other obligations. Therefore, all other duties and obligations on Eid ul Fitr must be done accordingly.

Social Gathering:

On the day of Eid-ul-Fitr Muslims from different countries and places of the world travel to their homelands and hometowns to celebrate the function with the family and friends. Moreover, it is during the festival of Eid that family friends meet with each other thus the members of different families interact with each other. Hence, above everything else, Eid-ul-Fitr holds great social importance as it allows social gathering at least once a year for those who do not interact or meet with each

other all year long.

Exchange of Love:

It is a custom across different Muslim cultures across the globe that Muslims share and exchange gifts with each other on the day of Eid-ul-Fitr. This exchanging of gifts besides its superficial implications also symbolizes the sharing of love and joy with each other, which ultimately

leads to greater love and respect for each other. Thus, the celebration of Eid and the gift exchange that takes place during it actually helps bring people close to each other.

Forgiveness:

On the day of Eid-ul-Fitr, Muslims keep all their tensions and conflicts aside and greet each other with love and joy. On this day Muslims forgive each other for all of the previous mistakes and by forgiving all that they hug each other and give their relation a fresh start that is based on love and brotherhood with no ulterior motives.

Conclusion:

In short, Eid-ul-Fitr is one of most auspicious occasions that is awaited by Muslims all over the world. This festival is a blessing of Allah Almighty and the purpose of it is to help Muslims come close to each other, spread joy and love to all the people that come in contact with a Muslim.



Jama masjid Delhi

Hazrat Jabir (RA) where He said:

“On the day of Eid the Holy Prophet (PBUH) used to return by a different route from the one he had taken when going out.” (Bukhari)

Thus, on the day of Eid a Muslim must take different routes so that he can meet and greet as much people possible and spread love.

Importance of Eid-ul-fitr:

Besides the fact that Eid-ul-Fitr is a blessing of Allah Almighty, the festival of Eid also holds importance in other areas of life, especially in the social perspective. Some of the major elements that make Eid-ul-Fitr important are discussed below.

Celebration:

Eid-ul-Fitr comes after the month of Ramadan during which a Muslim after fasting and excessive prayer and worship requires joy so that he or she could celebrate all the deeds they have done on the path of righteousness. Therefore, Eid is a day when Muslims

आल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन का "ल्लिहाह फंड" स्कीम

अस्सलामु अलैकुम

अपने रब को राजी करने के लिये

रमज़ानुल मुबारक के मुक़द्दस महीने में हम सब भाईयों ने रोज़ा, तरावीह, तिलावत, ज़कात व सदकात और इबादात के साथ गुज़ारा। अल्लाह हम सब की इबादत को अपनी बारगाह में शर्फ़े कुबूलियत अता फरमाए। आमीन।

आप अपनी ज़कात की रक़म कहीं भी किसी ज़रूरत मंद को दे सकते थे लेकिन आप ने अपनी क़ौम के ग़रीब व लाचार, मुफलिस व परेशान हाल मेमन भाईयों को निगाह में रखते हुए अपनी ज़कात की रक़म आल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन को इनायत फर्माई। आप की इस क़ौमी हमदरदी के लिये हम आप के बेहद शुक्रगुज़ार हैं।

हमारी मेमन क़ौम में एक ऐसा भी मिडल क्लास तबक़ा है जो ज़कात का मुसतहिक़ तो नहीं है लेकिन मुशकिल से अपनी फ़ैमिली का गुज़र बसर कर रहा है। ये तबक़ा इतना खुद्वार और ग़ैरत मंद है कि वह दूसरों के सामने हाथ फ़ैलाने से गुरेज़ करता है। इस की ग़ैरत और खानदानी विकार ये ग़वारह नहीं करता कि वह किसी के आगे हाथ फ़ैलाए। ऐसे शरीफुन्नफस लोगों की मदद के लिये फेडरेशन ने एक स्कीम शुरू की है "ल्लिहाह फंड" इस स्कीम के तहत आप अपनी ज़कात की रक़म नहीं बल्कि खालिस आमदनी की रक़म से पाँच सौ रूप्या माहाना या पूरे साल का छेह हज़ार रूप्या फेडरेशन के "ल्लिहाह फंड" में दे कर तआवुन कर सकते हैं। इस के लिये फेडरेशन ने एक ल्लिहाह फंड पैट्रन फार्म जारी किया है जिसे आप अपने मक़ामी जमाअतों ज़ोनल सेक्रेटरी, वाईस प्रेसिडेन्ट डिप्युटी वाईस प्रेसिडेन्ट से भी हासिल कर सकते हैं। मिंबर बन्ने के बाद फेडरेशन आप को आप के नाम का शनाखती कार्ड भी दे गा। आप से गुज़ारिश है कि आप खुद भी मिंबर बनिये और अपने घर के हर फर्द और दोस्त व अहबाब को भी मिंबर बना कर सवाब-ए-जारिया हासिल कीजिये।

आप के इस "ल्लिहाह फंड" की रक़म फेडरेशन की जानिब से जांच पड़ताल और इंकवाईरी के बाद ही उन ज़रूरत मंद शरीफ व खुद्वार और ग़ैरत मंद फ़ैमिली को तिजारत, टेकसी, आटो रिकशा वग़ैरह के लिये आसान किसतों पर बतौर कर्ज़ बग़ैर बयाज़ के गेरन्टर के साथ दिया जाएगा जिसे वह हर महीना किस्त वार अदा करते रहेंगे। किस्त से वापस किये गये रक़म से फिर दूसरे ज़रूरत मंदों की मदद की जाएगी। इस तरह ये इमदाद का सिलसिला भी जारी रहेगा और आप को भी हमेशा सदका-ए-जारीया का सवाब मिलता रहेगा और हमारे मेमन भाई खुद कफ़ील बन्ते रहेंगे।

उम्मीद है फेडरेशन के इस "ल्लिहाह फंड" का मिंबर बन कर आप अपना भर पूर तआवुन पेश करेंगे। अल्लाह आप को जज़ा-ए-ख़ैर अता फर्माए। आमीन।

करो मेहरबानी तुम अहल-ए-ज़मीं पर
खुदा मेहरबाँ होगा अर्श-ए-बरीं पर

**ALL INDIA MEMON JAMAT
FEDERATION**

Regd. No. F-4564 (Mumbai), ESTD : 11.04.1971

Legal parent organization in the world representing the entire Indian Memon community throughout India, having membership/expense of more than 200 Jamats (Institutions) under its umbrella.

Card Holder Name

Address

Issued On 05.05.2017 Valid Till 04.05.2018

Date of Birth Membership No.

100
Muslim
Scientists
23th
Al-Farghani



Al Farghani wrote a very influential book on astronomy called the jawami ilm al najum wal harkat al samawiyya. It was widely circulated in the West from the early twelfth century onwards and greatly influenced the medieval European astronomers. Al-Farghani was known to the Europeans as Alfarganus. Life: Abul Abbas Ahmad ibn Muhammad ibn Kathir al-Farghani was a native of Farghana in Central Asia. We have no information about his birth, family or early education. He lived during the reigns of Caliphs al-Mamun and al-Mutawakkil. After completing his education with specialisation in astronomy and engineering, he went to Baghdad during the reign of al-Mamun. On account of his proficiency in astronomy he was included in the team of astronomers set up by al-Mamun to undertake important astronomical observations. He wrote the

jawami....after the death of al-Mamun (d.833 AD). Caliph al-Mutawakkil who succeeded al-Mamun sent him to Cairo to supervise the construction of the Great Nilometer (al-miqyas al-kabir), also known as the New Nilometer (al-miqyas al-jadid), which was completed in 247 Ah/ 861 AD. The nilometer was erected to measure the flow of water in the Nile and, thereby, to ascertain the extent of flooding. Al-Farghani was also charged with the construction of the Jafariya Canal in the new city of al-Jafariya, north of Baghdad. But the result was not satisfactory as enough water did not flow through the length of the canal except when the Dajla/Tigris was high. He died after 247 Ah/861 AD.

Achievements: Al-Farghani wrote books on astrolabe (ustarlab), sundials (rukhamat) and important book. It has thirty chapters dealing with various aspects of astronomy. Some of the topics covered are: Egyptian, Greek, Roman, Russian and Arab calendars and their differences; basics of Ptolemaic astronomy; inclination of the ecliptic the circumference and the diameter of the earth as measured by al-Mamun's astronomers, ascension of the sign of the zodiac in the direct and oblique spheres (al-aflak al mustaqim and al aflak al maila) and equal and

unequal hours description of the planets, their motions and distances from the earth, movements of the sun, moon and fixed stars, retrograde motions of the wandering planets, magnitudes, eccentricities and epicycles, lunar mansions, comparative sizes of the planets and the earth, parallax and eclipses. Al-Farghani made a comprehensive study of astronomy based on Ptolemy's Almagest, improved upon Ptolemaic astronomy, presented a few of his own ideas and employed an easy and organised pattern to present the complex subject of astronomy which made his book popular for a long time. Some of the ideas presented by al-Farghani are: inclination of the ecliptic-23/33 for 214 AH/829 AD at Baghdad against Ptolemy's 23/51' circumference of the earth 20,400 miles and diameter of the earth approximately 6,500 miles, the slow eastward motion of the sphere of the fixed stars about the poles of the ecliptic through on degree every 100 years is common to spheres of the sun, moon and the five planets.

The Jawami was translated into Latin in 1135 AD, 1175 and 1590, and into Hebrew before 1590. It was printed in Europe in 1493, 1537, 1546, 1556, 1564, 1590, 1618, 1669, 1910, 1943.....

With Best Compliments From: Safdar H. Karmali

Al-Mehdi HEIGHT

Tallest
Building
In Dongri

Sale Flats From 24th Floor

Separate Lobby
Separate Water Connection
Car Parking
Play Area For Childrens

DESIGN ARCHITECT :
A.M. SAQUIB
RCC CONSULTANTS :
HANWARE CONSULTANTS
BAC ARCHITECT :
APARNA CONSULTANTS
LEGAL CONSULTANTS :
ADV. SAJJAD H. PATEL
ADV. SHOB MINNOW & ASSOCIATES

Office : Shariff Mansion, 115
Sandhurst Road, (S.V.P. Road),
Hazrat Imam Husain (A.S.) Chowk,
Dongri, Mumbai - 400 009
Tel.: 23778688 / 6068
Mob.: +91 7045 879527
Email : info@hkarmali.com
contact@blackstonehousing.com
Web: www.blackstonehousing.com

M. GHEEWALA GLOBAL
HR CONSULTANTS
At the heart of quality recruitment

ONE
STOP
FOR BEST
GULF JOBS

www.mgheewala.com



M. GHEEWALA GLOBAL
METALS
Exporters & Importers



www.mgheewalametals.com

Address: 311, 3rd Floor, Bombay Market,
Tardeo Road, Mumbai - 34.
Tel.: 022 - 61666555 • Fax: 022 - 61666543
E-Mail: globalhr@mgheewala.com

Address: 305 Bombay Market, 3rd Floor,
Tardeo Road, Mumbai - 34.
Tel.: 022 - 61666570 • Fax: 022 - 61666579
E-Mail: info@mgheewalametals.com

करकर

आज मोटा भागना लोकोने आर्थिक समस्याओ नो सतत सामनो करवो पड़े छे. आर्थिक स्थिती नभणी होवाना अनेक कारण छे. अमें अेक कारण छे जइरिआतोनुं वधु होयुं अने अे जइरतो पुरी करवा माटे बेइफम अने उडाउ अर्था करवा. माइस पोतानी जइरिआतोनी लगाम भेंथी ने राभशे तो अे अेना काभुमां रइशे अने जे माइसदीवी रास मुकशे तो लगाम वगरना घोडानी जेम अे जइरतो अेवा मार्ग पर ईंकी देशे ज्वांथी पाछा वणतुं असंभव तो मुशकील जइर भनी जशे..!

जइरियातो वधता अेमने पूरी पाडवानुं साधन पइ वधारतुं माइस माटे जइरी घई जय छे. आ साधन अेटले आवक. धइी वधत आवक वधारवानो सरण अने सायो मार्ग माइसने मणतो नथी त्यारे अे धन-प्राप्त करवा भोटे मार्गे रइी जय छे. अने अवण मार्गे आवेलुं धन माइसने दुनिया अने आभीरतनी भरवादीनी डीडी भीइ तरइ वई जय छे. जेनो अेइसास तेने तरत थतो नथी.

माइस हराम अने उलाल वर्ये नो तइावत भुवीने हराम माल अेकठे करीने पोताना हाथे ज पोताना पग पर कुहाडो मारे छे.

पोताना उडाउ अर्थ संतोपवा माइस धइी वधत करजना भप्परमां होमाथ पडाइी व्याजना चक्करोमां इसाथने रवधं माटे जवतुं भौत डीभु करीने भयंकर अपमानोअने जल्लतनो सामनो करे छे.

जइरियातोने ओछी करवा माटे जइरी छे के माइस पोताना उपर संयम राभे. दरेक उलालतमां अल्लालनो आभार मानी सन्नो मार्ग अपनावतां पोतानी आमदनी अनुसार द्रव्यनो करकरपूर्वक उपयोग अने नियमित थोडी-धइी वधत करवाथी जेवो लाभ थाय छे तेवो निश्चित लाभ कोथ पइ होतो नथी. ईरस्वामे कुजुलपर्यानी सप्तपइले मनाथ इरमावी छे. अकारण नानी-नानी रकम उडावी देनारो भुवी जय छे के अेक नांनु सरभु गाभुं पडवाथी भोटे वहाइ डुभी जय छे. उडाउपइं गमे अेवा धनवानने पइ निर्धन भनावी दे छे.

संसारमां उय-नीय अने तडकी-छांयो कमवार आवतो-जतो रइे छे माटे भीजाओनी देभादेभी अने होडमां उतरतुं नथी. जे माइस पोतानी आर्थिक मर्यादामां रइी जवकने आवकना अंशुश लेकण राभे छे अेना माटे मुशकेलीओना कपरा काणनो सामनो करवो सरण घई जय छे. अने ओछी आर्थिक क्षमता होवा छातां गौरवअने भोक्शास साथे जवन जवी शकय छे.

अल्लाल सौने नेक समज आपे.... आभीन.

वेपार - व्यवसाय

नाइए वगर जवन गुजरतुं संभव नथी. जवननिवाह माटे अने भीज आर्थिक जइरियातो संतोपवा माटे आजना जमानामां सांरुं कमावतुं आवश्यक छे. परिश्रम करीने माइस रोजीना कोथ पइ उलाल ज्ञोतमां धी कमाइी करे तो अेमां अेना माटे भरकत छे. दरेक मई माटे उलाल रोजी कमाववी अे अलुम इरज छे अने तेनी धइी मोटी इजीलत वर्णवामां आवी छे.

हुजूर सल्लल्लाहु अलैह व सल्लमे इरमावुं छे के, “वेपार करो, कारण के, रोजगारना दश भाग छे अेमांथी नव भाग वेपारमां छे.” आ अेक उदीस शरीफ वेपारनी महत्वता माटे अस छे. भीज उदीस शरीफमां इरमान छे के, “सायो वेपारी कयामतना दीवसे सत्यवादीओ (सिद्दीकैन) अने शहीदो साथे उठशे.” (ईंभने मात्र)

कोथ अे हुजूर सल्लल्लाहु अलैह व सल्लमने अर्ज करी, कयो व्यवसाय वधु पवीर छे? इरमावुं. “माइसनुं पोताना हाथे काम करतुं अने अेवो वेपार, जेमां दगाबाज अने भयानत करवामां न आवे.” (तिबरानी)

उउरत मआउ बिन जभल रदियल्लाहु तआला अन्हु थी

रिवायत छे, “बधी कमाथमां वधु पवित्र अे वेपारीओनी कमाथ छे के, ज्यारे वात करे तो भोटुं न बोले, अेमनी पासे अमानत राभवामां आवे तो अेमां भयानत न करे, वायदो करे तो अेनाथी विइद्र वर्तन न करे, कोथ थौज भरीदे तो अेना वधारी यदावीने वभाए न करे, कोथनुं उधार होय तो आपवामां दील न करे अने कोथनी पासेथी बाकी होय तो अेमां उतावण अने सपनी न करे.”

लोकोअे अेक बुजुगने पूछुं, “ईंभादत करवावाणो उत्तम छे के अमानतदार वेपारी? अे बुजुगे इरमावुं, “अमानतदार वेपारी उत्तम छे, कारण के, अे जेहादमां छे. शैतान अेने त्राजवा अेटले के मापतोल अने लेइहेए वधते भेइकावे छे पइ अमानतदार वेपारी शैतानना कावादावामां सपजातो नथी अने शैताननो विरोध करे छे.”

वेपार-धंधामां प्रमाइिकतानो मार्ग अपनावनार सवाभ अने नेकी मेणवे छे ज्यारे के, अप्रमाइिकता आचरीने माइस धन प्राप्त करी ले, साथे साथे बदी अने पाप पइ अेना नामाअे आमालमां लभाय छे अने पापनी सजा जहन्नम छे. माटे वेपारमां प्रमाइिकपइाने अपनावो अने पोताना माटे जन्नतनी राइ सरण भनावो. अल्लाल सौने नेक तौडीक आपे. आभीन.

हज व उमरा पर जाने वाले ध्यान दें।

हर एक अरकान सही अदा करने के लिये (गाइड) किताब रफीके हज मुफ्त दी जा रही है। यह किताब गुजराती, उर्दू और हिंदी में उपलब्ध है। इसे हासिल करने के लिये अपना नाम व पता (साथ में किस भाषा में किताब चाहिये) लिख कर मोबाईल नंबर : 09823182317 पर एस.एम.एस. से भेजें।

इकबाल हाजी अली धनानी :

धनानी बंगला, कचहरी रोड, पालघर, जिला : पालघर, (महाराष्ट्र) 401404

MEMON TIMES मेमन टाइम्स

में इशतेहार दे कर अपनी तिरत को फरोग दें

K. J. EXPORTS

Cell : +91-98251 54577
+91-94275 43577

Kadar J. Memon
Dy. Vice President
AIMJF, Mumbai

Office :
Choksi bazar, Nr. Mamalatdar Court,
KADI. (N.G.) Dist. Mehsana.
Pin : 382715 Tel. +91-2764-264262

Resi. :
Chabutara Chowk, B/h. Library,
KADI (N.G.) Dist. : Mehsana.
Pin : 382715 Tel./Fax +91-2764-263344

Email : kadarmemon@yahoo.com • Kadarmemon@hotmail.com



**BLUESTAR
OCEANTRADE PVT. LTD.**
Together With Passion



**JV
GROUP JV**
JV SEARLES INDIA PVT LTD

Hadee Bhavnagarwala
Vice President
Cell : +91-98200 85160
E : hadee@bsotpl.com

Logistics Solutions for Export and Import
Airfreight \ Seafreight \ Aircargo \ Customs & Clearing
179, Olympus House, Office No 24,
2nd Floor, Perin Nariman Street,
Fort, Mumbai 400 001 India.
T : +91-22-22617806
F : +91-22-22617807
W : www.bsotpl.com



**CRYSTAL
Group of Hotels**



**CRYSTAL COUNTY
RESORT**

LONAVALA
Rooms • Meetings & Conferences • Weddings
Between Fariyas & L & T Management Complex, Old Mumbai Pune Highway, Tungarli, Lonavala - 410 401.
Tel.: 02114-272430 / 60 / 70 / 80 Mobile: 9545952927
Email: crystalcounty36@gmail.com Website: www.crystalcountyresort.com / www.crystalgroupofhotels.com



**Bombay
Hotels**
A Family Business



**BG'S
HOOKAH SOINGS**

Mumbai: 9, Gikler Road, Off Lamington Road, Opp. Navjivan Society, Marzban Parul Colony, Mumbai-400 008. Tel.: 91-22-23080251 - 54 (4 lines) Mobile: 9820729708
Email: hotelcrystalmumbai@gmail.com Website: www.crystalmumbai.com
Ahmedabad: Kadia Kul, Relief Road, Ahmedabad-380 001. Tel.: 2175848-2170491
Mobile: 09925621333 Email: hotelcrystaladi@yahoo.com



Imran Gani Fruitwala
(M.B.A.)

Lifestyle

Lifestyle Aspects That Make You Feel Depressed

* A lack of exercise

Along with social connection, exercise is another variable that is highly supported in its relationship to depression. There is no need to join a Gym or to sign up for a marathon (although you can do that, too), but you're likely to notice a difference in your mood from doing 20 minutes of light exercise in your free time, or getting out for a walk around after work.

* Not enough nature

Recently, several studies have supported the benefits of "ecotherapy" or "green therapy" in treating depression. It fosters mindfulness and feelings of calm. When the last time you strolled outside and were surrounded by green? Try to fit this into your daily routine—even if it's for only five minutes! If you live in a big city, make a point to hit up a park or shoreline.

* Poor diet

More and more research is emerging that suggests nutrient deficiencies and food allergies are linked to depression. For example, studies have shown vitamins B and D are negatively correlated with depressed mood, while gluten is positively correlated (in those who suffer from intolerance). Every individual is different, but getting a blood test and seeing a naturopath, dietician, or holistic nutritionist might benefit you.

* Stress

Studies have shown that chronic stress can lead to depression. Some stress is good, but when it outweighs coping, it might be a factor in why you were feeling depressed. If you can't cut some of your responsibilities, consider assessing where the expectations you feel are coming from (i.e. someone else, or yourself), and take some of the pressure off.

Permit yourself to lower your expectations for performance, make mistakes, quit, and ask for help. In other words, stop treating yourself like a machine and let yourself be a human being.

* Sleep-deprivation

Ever noticed how much more fragile and lethargic you are after a bad sleep? Exhaustion affects our mood, our energy levels, and our cognitive functioning. The problem is, depression can cause sleep disturbances, so it can become a vicious cycle. Speak with your therapist about ensuring proper sleep hygiene, learning cognitive behavioral strategies for managing insomnia, and, if you believe you might have a sleep disorder, consider getting a referral to a sleep specialist. Some sleep disorders are highly-correlated with depression.

* All work & no play

Many people are under the (false) impression that once we reach adulthood we no longer need or deserve "fun." Or that we're only allowed to have "fun" once our work is done. Well, given the fact that there will ALWAYS be something more to do—another bill to pay, another project to complete, or another social commitment—chances are you were setting yourself up for a life that's not very enjoyable. Allow yourself to carve some timeout of your daily schedule to do something you enjoy. This could be an activity, or it could be lying on the couch reading a book which you love with a cup of Tea or Coffee.

"Stay Healthy & Happy"

Esal-E-Sawab

Abu Hurairah reported, "The Prophet (saws) said, 'When a person dies all his good deeds cease except for three: a continuous act of charity (which the deceased did in his lifetime), beneficial knowledge (which the deceased left behind), and a righteous son (children) who prays for him!'"

Marhum Haji IQBAL Haji A. Rehman Gadawala (Januhasan), Marhuma Zubeda Bai Haji Iqbal Gadawala (Januhasan), Marhuma Shair Banu Haji Iqbal Gadawala (Januhasan) Kul Umate Mohammediya ke Marhum, Marhuma ke liye

From: Abdullah Haji Iqbal Janu Hasan

Eid-ul-Fitr

Sahih Bukhari

Book of The Two Festivals (Eids)
Hadith no: 69: Narrated / Authority of: Abdullah bin Umar; Umar bought a silk cloak from the market, took it to Allah's Apostle and said, "O Allah's Apostle! Take it and adorn yourself with it during the Eid and when the delegations visit you." Allah's Apostle (p.b.u.h) replied, "This dress is for those who have no share (in the Hereafter)." After a long period Allah's Apostle (p.b.u.h) sent to Umar a cloak of silk brocade. Umar came to Allah's Apostle (p.b.u.h) with the cloak and said, "O Allah's Apostle! You said that this dress was for those who had no share (in the Hereafter); yet you have sent me this cloak." Allah's Apostle said to him, "Sell it and fulfill your needs by it."

Hadith no: 70 : Aisha Allah's Apostle (p.b.u.h) came to my house while two girls were singing beside me the songs of Buath (a story about the war between the two tribes of the Ansar, the Khazraj and the Aus, before Islam). The Prophet (p.b.u.h) lay down and turned his face to the other side. Then Abu Bakr came and spoke to me harshly saying, "Musical instruments of Satan near the Prophet (p.b.u.h)?" Allah's Apostle (p.b.u.h) turned his face towards him and said, "Leave them." When Abu Bakr became inattentive, I signalled to those girls to go out and they left. It was the day of Eid, and the Black people were playing with shields and spears; so either I requested the Prophet (p.b.u.h) or he asked me whether I would like to see the display. I replied in the affirmative. Then the Prophet (p.b.u.h) made me stand behind him and my cheek was touching his cheek and he was saying, "Carry on! O Bani Arfida," till I got tired. The Prophet (p.b.u.h) asked me, "Are you satisfied (Is that sufficient for you)?" I replied in the affirmative and he told me to leave.

يَا مُهَيْمِنُ

હે નિગેહબાન ! એ નામ જમાલી છે.

તાસીર : એની તાસીર એ છે કે એનો પઠનાર દરેક માણસની જાન માલ બચાવવાની ચિંતા રાખે છે..

ખાસીયત : (૧) જે માણસ ગુસ્લ કરી કિબ્લારૂખ બેસી ૧૧૧૫ વાર 'યા મુહૈમિનુ' ત્રણ દિવસ સુધી પઠશે તો જે કામનો ઇસ્તિખારો કરશે તેનું પરિણામ તુર્તતેને જણાઈ આવશે. જો દરરોજ એવું કરશે તો બધી દુન્યાની આફતોથી રક્તિ થઈ જશે. જો લશ્કરનો સિપાહી છે ને કાંઈ કામગીરી માટે ચાલ્યો ગયો તો ઇન્શાઅલ્લાહ બંદુકોના ગોળીબારમાંથી જીવતો સલામત આવશે. જો કોઈ એ મુબારક નામનો આમિલ છે પણ દરરોજ ગુસ્લ કરી એક હજાર એકસો પંદર વાર પઢે છે તે માણસ સંજોગોવશાત જહાઝામાં સવાર થયો અને જહાઝા તુટી ગયું તો ઇન્શાઅલ્લાહ એ માણસ સહી સલામત કિનારે પહોંચશે. કોઈ શહેરમાં મરકી, પ્લેગ અથવા બીજો કોઈ રોગચાળો ચાલતો હોય ને કોઈ માણસ એ અમલનો આમિલ હશે તો એ સામાન્ય રોગથી રક્તિ રહેશે.

નોંધ : જો એક દિવસ ગુસ્લ અથવા વઝીફો છુટી જાય તો ફરી ૪૦ દિવસ સુધી તાસીર નકામી થઈ જશે, હવે ફરી ૪૦ દિવસ સુધી એજ અમલ કરતા રહેવું પડશે તો ફરી તેજ તાસીર ખુદાના દરબારમાંથી મળી જશે. જો કોઈ મકાનનું છાપડું માણસ ઉપર પડ્યું ને તેમાં એ ઇસ્મનો આમિલ પણ દબાઈ ગયો હોય તો અલ્લાહના ફઝલથી એ માણસ એ અકસ્માતમાંથી સલામત બહાર નીકળશે.

વરસાદ માગવા માટેની દુઆ

“અલ્લાહુમ્મસ્કિ ઇબાદક વ બહીમતક વન્શુર રહમતક વ અહયી બલદકલ મચ્યિત.”

અર્થાત : હે અલ્લાહ ! પોતાના બંદાઓ અને જાનવરોને પાણી પિવડાવ અને પોતાની રહમત ફેલાવ અને પોતાની મૃત ધરતીને જીવતી કર. (તિરમિઝી)

વરસાદ વધુ હોવા વખતે પઢવાની દુઆ

“અલ્લાહુમ્મ હવાલયના વલા અલયના અલ્લાહુમ્મ અલલ અકામી વઝઝીરાબી વલઅવદિયતી વમના બિતિશશજરી.”

અર્થાત : હે અલ્લાહ ! અમારા આજુબાજુ વરસાદ વરસાવ, અમારા ઉપર નહીં. હે અલ્લાહ ! દીલાઓ પહાડો નાળા અને બગીચાઓમાં વરસાવ.

AL-Fruit
DATES



Bhartiya Enterprises

Khasra No. 129/1-132, Gram Talawall Chanda, A.B. Road, Indore 453771 India
Tel. (O) : + 91 731 255 3788, Tel. (R) : + 91 731 2802788, Fax : + 91 731 255 3788, Call : +91 9877511555
E-mail : info@alfruitdates.com, Website : www.alfruitdates.com

Eid -Ul- Fitr

Offer Eid Prayer

Hazrat Jabir bin Samurah (RA) narrates: "I prayed with the Messenger of Allah the two Eid prayers more than once or twice without an Adhan or Iqamah." (Muslim)

Change of Routes

Hazrat Jabir (RA) narrates: "On the day of Eid the Holy Prophet (PBUH) used to return by a different route from the one He had taken when going out." (Bukhari)

Eating Food

Hazrat Anas (RA) narrates: "Prophet (PBUH) did not go (to the place of prayer) in the morning on the days of Eid-ul-Fitr till He ate some dates, and He used to eat an odd number." (Bukhari)

Social Gathering

On the day of Eid-ul-Fitr Muslims from different countries and places of the world travel to their homelands and hometowns to celebrate the function with the family and friends

Celebration

Eid is a day when Muslims rejoice at the good deeds they have undertaken during the month of Ramadan and feed their body for all the deprivation which it has undergone because of fast

MEMON TIMES
મેમન ટાઈમ્સ

में इशतेहार दे कर अपनी
तिजारत का फरोग दें

غزلیات

اختر شیرانی

آرزو وصل کی رکھتی ہے پریشاں کیا کیا
کیا بتاؤں کہ مرے دل میں ہیں ارماں کیا کیا
غم عزیزوں کا حسینوں کی جدائی دیکھی
دیکھیں دکھلائے ابھی گردش دوران کیا کیا
ان کی خوشبو ہے فضاؤں میں پریشاں ہر سو
ناز کرتی ہے ہوائے چمنستاں کیا کیا
دشت غربت میں رلاتے ہیں ہمیں یاد آ کر
اسے وطن تیرے گل و سنبل و ریاں کیا کیا
اب وہ باتیں نہ وہ راتیں نہ ملاقاتیں ہیں
مخملیں خواب کی صورت ہوئیں ویراں کیا کیا
ہے بہار گل و لالہ مرے اشکوں کی نمود
میری آنکھوں نے کھلائے ہیں گلستاں کیا کیا
سیر گل بھی ہے ہمیں باعث وحشت اختر
ان کی الفت میں ہوئے چاک گریاں کیا کیا

احمد ندیم قاسمی

اپنے ماحول سے تھے قیس کے رشتے کیا کیا
دشت میں آج بھی اٹھتے ہیں گولے کیا کیا
عشق معیار وفا کو نہیں کرتا نیلام
ورنہ ادراک نے دکھلائے تھے رستے کیا کیا
یہ الگ بات کہ برے نہیں گرے تو بہت
ورنہ بادل مرے صحراؤں پہ اٹھے کیا کیا
آگ بھڑکی تو در و بام ہوئے راہ کے ڈھیر
اور دیتے رہے احباب دلا سے کیا کیا
لوگ اشیا کی طرح بک گئے اشیا کے لیے
سر بازار تماشا نظر آئے کیا کیا
لفظ کس شان سے تخلیق ہوا تھا لیکن
اس کا مفہوم بدلتے رہے نقطے کیا کیا
اک کرن تک بھی نہ پہنچی مرے باطن میں ندیم
سر افلاک دیکتے رہے تارے کیا کیا

اکبر الہ آبادی

دل مرا جس سے بہتا کوئی ایسا نہ ملا
بت کے بندے ملے اللہ کا بندہ نہ ملا
بزم یاراں سے پھری باد بہاری مایوس
ایک سر بھی اسے آمادہ سودا نہ ملا
گل کے خواہاں تو نظر آئے بہت عطر فروش
طالب زمزمہ بلبل شیدا نہ ملا
واہ کیا راہ دکھائی ہے ہمیں مرشد نے
کر دیا کبے کو گم اور کلیسا نہ ملا
رنگ چہرے کا تو کاج نے بھی رکھا قائم
رنگ باطن میں مگر باپ سے بیٹا نہ ملا
سید اٹھے جو گزٹ لے کے تو لاکھوں لائے
شیخ قرآن دکھاتے پھرے پیسا نہ ملا
ہوشیاروں میں تو اک اک سے سوا ہیں اکبر
مجھ کو دیوانوں میں لیکن کوئی تجھ سا نہ ملا

TEL : 2370 2702

E-mail: sunitacaterers@yahoo.in

NITIN H. SAMPAT
Mobile: 98213 49612

YOGESH H. SAMPAT
Mobile: 99200 25394



SUNITA CATERERS

PROMPT AND EFFICIENT SERVICES FOR
WEDDING PARTIES & SOCIAL FUNCTIONS

105-A, KESHAVJI NAIK ROAD, SHOP NO. 6
GR. FLOOR, CHINCH BUNDER, MUMBAI - 400 009.

JUNED A. LATIWALA

YAKIN Y. BHESANIYA



DOMESTIC & INTERNATIONAL - COURIER & CARGO

L - 1 - 2, Abhilasha Market, Near Shalimar Market,
Ring Road, SURAT - 395 002. Tel.: 0261 - 3000 786

E-mail : srtgj@tpcindia.com | Web site : www.tpcindia.com

for Speed of flow with

ProPremium

PRIORITY CLASS

ProLite

ProLite

Profielder

LONDON DAIRY
Premium Ice Cream

Timeless creations especially made, Just for you!

Chocolate Brownie Delight

Double Chocolate Tiramisu Chocolate Hazelnut

londondairy.in LondonDairy_IN mylondondairy



Facilities :

Luxury one Bedroom apartments - Optional •Luxury two Bedroom apartments • Rooftop swimming pool • Limousine private car service with driver (at a charge)

Room service

Internet access throughout the hotel • Secure underground parking with remote access • Professional and friendly staff

Restaurant

Airport transfers with charges • Welcome amenities •Premium toiletries •30-minute drive from Dubai International Airport • Within walking distance of Mall of the Emirates • Wheelchair accessible

Contact person

Mr. Mohammed Feroz

Address : P.O. Box 450127

Behind the Mall of the Emirates

Al Barsha 1

Contact no

+ 971 4 3996444

Fax no. +97143996446

Email id

citystayinn@gmail.com



Facilities

Satellite & Cable Channels • Radio & Alarm Clock Iron with Board • Microwave Oven Full length Mirror & Hairdryer • High speed Internet access • International Direct Dialing • Fully equipped Kitchenette • Washing machine with Dryer • Refrigerator • Crockery & cutlery Inroom Safe • Individual Temperature Control / Work Station

Facilities :

Luxury one bedroom apartments • Luxury two bedroom apartments • Rooftop swimming pool • Limousine • private car service with driver (at a charge)

Room service

Internet access throughout the hotel • Secure underground parking with remote access • Professional and friendly staff

Restaurant

Airport transfers with charges • Welcome amenities • Premium • toiletries • 30-minute drive from Dubai International Airport • Within walking distance of Mall of the Emirates • Wheelchair accessible

Contact persons

Ms. Renuka Shaikh

Contact no. +971 4 435 4999 Fax no. +971 4 430 8495

Email id : reservation.pearl@citystaydubai.com

ઝકાત માટે કોમના ગરીબ ભાઈઓને પહેલાં યાદ રાખજો

પવિત્ર રમઝાન મહિનો શરૂ થયાને લગભગ અઠવાડિયા જેટલો પ્રથમ પસાર થઈ ચૂક્યો છે. મેમણ સમાજની પરંપરાગત ધર્મ પારાયણતા ઊંડીને આંખે વળગે તેવી સ્પષ્ટ જણાઈ આવે છે. નાના-નાના કસબા ગામડાંથી લગાવી મોટાં શહેરો કે દેશ-દેશાવરમાં મેમણ સમાજનાં દરેક ઘર-ઘરમાં રમઝાનના રોઝાની અદાયેગી, તરાવીહની નમાઝોમાં નિયમીત હાજરી, પવિત્ર કલામે પાકની તીલાવત, સહેરીમાં ઉસ્લાહપૂર્વક ઊંઠી જવું અને પોતાની ઝકાત અદાયેગીની ફીફર ભરપૂર ઈબાદત અને અમલ દ્વારા આ પવિત્ર માસના હકને વધુમાં વધુ અદા કરી એનો મહત્તમ સવાબ (પુણ્ય) મેળવવો તે માટે દરેક પરિવાર પ્રયત્નશીલ છે. પોતાની ઝકાત નીકાળવા માટે ની પૂર્વતૈયારીઓ/ગણતરીઓ સમાજના દરેક ભાઈના દિલો-દિમાગમાં છે.

રોઝાનો સૌથી મોટો મક્સદ અને મૂળ હેતુ તકવા અને દિલની પરકેઝગારી તથા દિલની સફાઈ છે. તકવા પ્રાપ્ત થયો ક્યારે કહેવાય? જ્યારે નાનો-મોટો ગુનાહ કરતાં દિલને ખચકાટ થાય. દિલ શરમ-સંકોચ અનુભવે. વળી, નેક વાતો અને કામો તરફ રુચિ અને લગન પેદા થાય. રોઝાનો હેતુ માણસમાં આવી અસર પેદા કરવાનો છે.

રોઝાની શરૂઆત કરાવવાનો એક ખાસ મર્મ એ પણ છે કે બાર મહિનામાં એક મહિનો એક ટાણું કરે, એકવાર જમે ને બની શકે તો એક વખતનું જમણ પોતાના મોહતાજ અને ભૂખે બેઠેલા ગરીબ ભાઈ-બહેનોને ખવડાવે. અહીં એ યાદ રાખવું ઘટે કે ફિદયહ અને કફફારહ અંગે જે અહકાસ છે તેમાં રોઝાના બદલામાં ગરીબોને ખવડાવવાનું કરાવવામાં આવેલ છે. જાણે રોઝા અને ગરીબોને ખવડાવવું એક બીજાના પૂરક છે.

પેટભરા લોકોને ગરીબો-ભૂખ્યાંઓનાં જીવનની શી ખબર? એવા પેટભરા લોકોને તથા અમીરોને અને સમાજની હાલતથી બેખબર લોકોને રોઝા ભાન કરાવે છે કે, ભૂખ-તરસમાં કેવી તકલીફ

છે! આ રીતે પોતાના ગરીબ ભૂખથી નિઠાલ ભાઈ-બહેનો-બાળકોની તકલીફનો ખ્યાલ આવે છે.

આ પવિત્ર માસનો એક બીજો મોટો એકહકામ એટલે ઝકાત, ખરી અને મુસ્તહીક રીતે ઝકાતની અદાયેગી થાય તે જોવાની દરેક સાહેબેમાલ ભાઈઓએ તકેદારી રાખવી જોઈએ અને આ અંગે



વિચાર કરતા સૌથી પહેલાં આપણે આપણા સમાજ બંધુ એટલે કે મેમણભાઈની આર્થિક સ્થિતિ ઉપર નજર નાખતા જાણવા મળશે કે અત્યારે પણ સમાજનો ગરીબ મેમણભાઈ હજુ સુધી પતરાના, ગારા માટીના ઝૂંપડા સમાન જીવણીથી મકાનોમાં વસવાટ કરી રહ્યો છે અથવા ભાડામાં મકાનોમાં વસે છે અને તેની પાસે રીપેરિંગ માટે અથવા નવું મકાન ખરીદવા માટે નાણાકીય જોગવાઈ નથી. સમાજનો એવો પણ કેટલોક ગરીબ વર્ગ છે કે જે પૈસાના અભાવે બીમારીનાં નિદાન તેમ જ સારવાર માટે સક્ષમ નથી, કેટલાક એવા ગરીબ પરિવાર પણ છે કે પોતાનાં સંતાનોના લગન ખર્ચ માટે વ્યાજના ચક્કરમાં પડી કર્જદાર બને છે, નાનો-મોટો ધંધો કરવો હોય પણ નાણાકીય જોગવાઈના અભાવે મજૂરી કરી પેટ ભરવું પડતું હોય છતાં ઝકાતના રૂપિયા ન લેનાર ગરીબ ખુદાર મેમણ ભાઈને વગર વ્યાજે લોન જોઈએ છે. AIMJF આને લગતી સ્કીમો ચલાવે છે તે દરેક જમાતના આવા જરૂરમંદ સભ્યોને જાણે છે અને સ્વાભાવિક પણે આ તમામની મીટ ઓલ ઈન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશન તરફ છે. તેમની આશા પૂરી કરવી એ AIMJFનું પરમ કર્તવ્ય છે. આ માટે

AIMJF પ્રેસિડેન્ટ ઈકબાલ મેમન ઓફિસરની તમામ મેમન ભાઈઓને અપિલ છે કે દિલ ખોલીને ફેડરેશનના ઝકાત ફંડમાં પરંપરાગત ઈસ્લામી પ્રણાલી અનુસાર બચતુલમાલ તરીકે રકમ જમા કરાવો. કારણકે કે તમારી ઝકાતનો પહેલો હકદાર આપણો ગરીબ મેમણ ભાઈ છે અને એ ઝકાત લેનારમાંથી આપનાર ન બને ત્યાં સુધી સૌ પ્રથમ એને મદદ કરી આર્થિક રીતે પગભર બનાવવો જોઈએ.

ઓલ ઈન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશન આ તમામ વિટંબણાઓના હલ માટે તેમ જ આવા જરૂરમંદોની મદદ માટે સતત પ્રયત્નશીલ છે અને પાછલા વર્ષમાં પાંચ કરોડ ઉપરના સહાયકાર્યો સફળતાપૂર્વક કરી ચૂકેલ છે, પણ જરૂરમંદોની અરજીઓનું પ્રમાણ સતત વધતું રહ્યું છે, નવા સંકલ્પો અને ધ્યેય સિદ્ધ કરવા છે. આ માટે વિશાળ ફંડની જરૂર છે જેથી કરીને વધુમાં વધુ હાજતમંદોને સહાય પૂરી પાડી શકાય.

આપની ચૂકવેલ રકમનો એક-એક રૂપિયો ખરા જરૂરમંદ સુધી પહોંચાડવા માટે ફેડરેશનની પૂરી ટીમ કટીબદ્ધ છે. ગરીબ બંધુઓની આશા મીટ માંડી બેઠી છે અને આ સેવા-મિશનને આપણે સૌએ એકબીજાના સાથ-સહકાર અને સહીયારા પ્રયાસો અને મહત્તમ આર્થિક ફાળા (ઝકાત, લિલ્લાહ) થકી સફળ બનાવી સમાજના દરેક જરૂરમંદ સુધી પહોંચવું છે અને આ વાત ચોક્કસપણે યાદ રાખી આ પવિત્ર માસમાં વધુમાં વધુ આપણા ભાઈઓને ઝકાત સહાય પહોંચે તે ધ્યાનમાં રાખશો. આ માટે અગાઉ દર્શાવ્યા પ્રમાણે ઓછામાં ઓછી આપની ૧૦ ટકા ઝકાત સ્થાનિક જમાતના બચતુલમાલ ફંડમાં અને ૧૦ ટકા ઓલ ઈન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશનમાં જમા કરાવવાનો આગ્રહ રાખશો. જેથી આપની ઝકાતની અદાયેગી પણ મુકમ્મલ રીતે થશે અને એ ખરા જરૂરમંદો સુધી પહોંચશે.

પ્રસ્તુતકર્તા : - અત્તાફ હોલી (CEO, AIMJF)

‘ઝકાત’ની અદાયગી કરતી વખતે કઈ બાબતોની તકેદારી રાખશો?

ઈસ્લામની પાંચ મુખ્ય ફરજો, અરકાન અને સ્થંભમાંનો એક સ્થંભ અરકાન અને ફરજ એટલે ‘ઝકાત’ અલબત્ત, તેઓને માટે જેમને પરમકૃપાળુએ સાહિબે નિસાબ (માલ-દૌલત સમૂહ) બનાવ્યા છે. ઝકાતનો અર્થ છે શુદ્ધિ, તહારત-પાકી, ખરકત અને વૃદ્ધિ. ઝકાત આપવાથી, ચોક્કસપણે માલદૌલત બાકીનાં વસ્તુ માટે પાક-સાફ થઈ જાય છે. એને પરિણામે માલમાં, ધન-સંપત્તિમાં અકલ્પનીય વૃદ્ધિ-વધારો થાય છે. ઇસ્લામની આ એક મહા કલ્યાણકારી અર્થવ્યવસ્થા છે! જેના થકી ગરીબ, જરૂરમંદો, વિધવાઓ, માંગળીમાં સજડતા દર્દીઓ વગેરેને મહત્તમ અંશે મદદ અને હેવાધારણા મળી રહે છે. લાયકાને હાજતમંદ લોકોને પોતાનું જીવન ખસર કરવામાં સરળતા થાય અને કોમ અને સમાજમાં કોઈ ગરીબી રેખા નીચે રહી ન જાય. વળી ઝકાત આપનાર પુદાઈ હુકમનું સ્વેચ્છાએ પોતાની પુણી-પુણી પાલન કરે છે, જેનું વખતર ઝકાત આપનારને બેહતરીનરૂપે ને બેહતરીન રીતે મળશે. વળી, આખિરતમાં માલિક દસ ગણો યા એથીય વધુ સવાબ (પુણ્ય) અર્પણ કરે છે. આ બાબત સમસ્ત મુસ્લિમ સમાજમાં સર્વ-સ્વીકાર્ય છે અને તમામ આ આદેશોનું હરખભેર પાલન કરે છે.

સમસ્ત મુસ્લિમ કોમની સાથે-સાથે આપણા મેમણ સમાજમાં પણ પવિત્ર રમઝાન માસમાં રોઝા-નમાઝાની અદાયગી સાથે-સાથે શરીઅતની પરિભાષામાં જેઓ માલદાર છે, સાહિબે નિસાબ (ઝકાત નીકાળવા સક્ષમ) છે તેઓ દ્વારા પોતાની નીકળતી ઝકાતની અદાયેગી (વિતરણ) કરવામાં આવે છે. જેથી આ માસની ખાસ ફઝીલત અનુસાર ૩૦ (સિત્તેર) ગણો વધુ સવાબ (પુણ્ય પ્રાપ્ત કરી શકાય.

પરમકૃપાળુની રાહમાં, મુસ્લિમક બંદાઓને ઝકાત આપવાની વર્ષોની પરંપરા સતત જળવાઈ રહેલ છે, ઝકાતનું એક બજવાન પાસુ રૂલાની છે, એ ખાલિકની નઝદીકી તથા રઝમંદી પામવાનો સુંદર ઝરીઓ છે. વળી નફસને (આંતર મનને) બખીલાઈ (કંજુસાઈ), સ્વાર્થપાણું, દિલની સખાઈ જેવા અવગણ્યોથી પાક સાફ કરીને દિલમાં ઉદારતા, ગરીબો, ફકીરો અને ઇછડો પ્રત્યે હમદર્દી અને દિલદારી જન્માવે છે. સાહિબે નિસાબ (માલદાર) પરિવારો દ્વારા

પોત-પોતાની લાખો-કરોડોની ઝકાત લગાતાર વર્ષો-વર્ષથી એકધારી રીતે મદદરસાઓ, વિવિધ સેવાકીય સંગઠનો, સંસ્થાઓમાં દાનરૂપે તેમ જ મોહતાજ (ગરીબ-જરૂરમંદ) બે-સહારા, બે-ચર, આર્થિક મજબૂરીઓના કારણે બીમારીમાં સજડતા ભાઈઓને છૂટક મદદ તરીકે આપવામાં આવે છે.

આ રીતની ઝકાત અદાયેગી થકી એ મેળવનાર મુસ્તહીક પરિવારને કંઈક અંશે થોડા થણા સમય માટે આર્થિક રાહત અને હેવાધારણા જરૂર મળી રહે છે, પણ સવાલ એ રહે છે કે સતત એકધારી રીતે વર્ષો-વર્ષથી મુસ્તહીકોને ઝકાત મદદ મળવા છતાંય અને સાહિબે નિસાબ લોકો દ્વારા લાખો-કરોડોની ઝકાત વિતરણ કરવા છતાં સમસ્ત મુસ્લિમ કોમ અને ખાસ કરીને મેમણ સમાજમાં ઝકાતના મુસ્તહીકોની સંખ્યા કેમ ઘટવાનું નામ લેતી નથી...? આ એક પરંબર વિચારવા જેવો અને ચિંતન તથા મનન માંગી લે તેવો પ્રશ્ન છે. આટ-આટલી ઝકાત મદદ અને ઉમદાદ વિતરણ છતાં ઝકાતના મુસ્તહીકોનું



હોસ્પિટલોમાં પૈસાના અભાવે ઇલાજ વિના ટળવળવું, બે-ચર ગરીબ પરિવારોનું દર-દર ભાડામાં ઘરોમાં ભટકવું, શાદી-વિવાહ તેમજ કારોબારની આર્થિક જરૂરતો સંતોષવા ખાતર પડાણી વ્યાજોના ચક્કરમાં પડી કર્જદારી અને દેવાની ચક્કીમાં પીસાવું વગેરે કેમ જોવામાં આવે છે...?

આના પાછળનાં કારણો તપાસી તારણ નીકાળતાં જણાય છે કે ચોક્કસપણે આપણી ઝકાત-ઇમદાદ અદાયેગી (વિતરણ)ની પદ્ધતિમાં સુધારા અને નવીનતા તથા કોમી ફેડરેશન અને જમાતોના ફંડ થકી એક-એક જરૂરમંદને વારહરતી થોડકંઈ ઝકાત અદાયેગીના વિકલ્પનો અમલ જરૂરી બન્યો છે.

આટલાં વર્ષોના અનુભવ પછી એ સિદ્ધ થયેલ છે કે આપણી ઝકાતની છૂટક-ટુટક અંગત અદાયેગી થકી કંઈ વધુ વિશેષ સામાજિક પ્રગતિ સાધી શકાય તેમ નથી, ગામનું પાણી ગામ તલાવડીમાં, ખેતરનું ખેત તલાવડીમાં રહે અને તેનો ફાયદો જે તે ખેતર કે ગામ મેળવે તે જ રીતે અલ્લહે એક મુદ્દીમ ચાલી રહેલ છે કે પરંપરાગત ઇસ્લામી બચતુલમાલ પદ્ધતિ અનુસાર આપની ઓછામાં ઓછી ૧૦% ઝકાત ઓલ ઈન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશનમાં તેમ જ ૧૦% ઝકાત સ્થાનિક જમાતોનાં ફંડમાં જમા કરાવો.

આનો ફાયદો એ થાય છે કે સામુહિક રીતે એકત્ર થયેલ રકમ સમાજની ઝકાતના મહત્તમ રૂપિયા સમાજના ઝકાતના ખરા હકદાર ખરા જરૂરમંદ પરિવારોને જમાત સંગઠનો દ્વારા થોડકંઈ માટે આપીને એ જરૂરમંદ અને મુસ્તહીક પરિવારને કાયમ માટે પગભર કરી શકાય છે, રહેવા મકાન ન હોય કે રિપેરિંગ કરાવવું હોય તો મહત્તમ મદદ કરી કાયમી ઉકેલ લાવી શકાય છે. હોસ્પિટલોમાં અચાનક આવી પડેલ બીમારી ખર્ચ-ઓપરેશન માટે તાત્કાલિક આર્થિક મદદ પહોંચતી કરાય છે અને આ રીતે આપણી ઝકાતનો રૂપિયે/રૂપિયો જાણે કે લેખે લાગે છે. ત્યાં સુધી કે ઝકાતના મુસ્તહીકોમાં ઘટાડો થઈ ઝકાત લેનારમાં આપનાર બને છે અને એનો આ રીતે સદ્ઉપયોગ થાય છે. એ મદદ મેળવનાર પરિવારનો આનંદ અને સંતોષ તથા અંતરના આશીર્વાદ, દુઆઓ આભારની લાગણી ખરેખર જોવાલાયક બને છે.

આથી જવારંવાર AIMJFના પ્રેસિડેન્ટ ઈકબાલ મેમન ઓફિસર દ્વારા ભારપૂર્વક અપિલ કરવામાં આવે છે કે તમારી ઝકાત અને લીલ્લાહનો પહેલો હકદાર આપણો મેમણ ભાઈ છે અને આ વાત ચોક્કસપણે યાદ રાખી આ પવિત્ર માસમાં આપણા ભાઈઓને વધુમાં વધુ ઝકાત સહાય પહોંચે તે માટે AIMJF તેમ જ સ્થાનિક જમાતના બચતુલમાલ ફંડમાં ત્વરિત આપની ઝકાતના ચેક અથવા રોકડ રકમ જમા કરાવો.

પ્રસ્તુતકર્તા : - તૌફીક કાપડિયા (પ્રોડક્ટિંગ ડિગ, AIMJF)

اقوال زریں

☆ ایک سال میں سو دوست بنانا کوئی بڑی بات نہیں بلکہ سو سال میں ایک شخص دوست بنانا کامیابی ہے۔
☆ ناکامی کا خوف ہی ناکامی کی بنیاد ہے۔
☆ ماپوسی سب سے بڑی کمزوری ہے۔
☆ قومیں فکرمے محروم ہو کر تباہ ہو جاتی ہیں۔
☆ اعتماد ہوا کے ایک جھوٹے کی طرح ہوتا ہے جو ایک مرتبہ چلا جائے تو پھر واپس نہیں آتا۔
☆ حضور اکرم کی محبت میں اگر جان بھی چلی جائے تو گھٹائے کا سودا نہیں۔
☆ موت ایک تلخ حقیقت ہے اسے شیریں حقیقت بنانے میں مصروف عمل رہو۔
☆ جو لوگ اللہ تعالیٰ کے احکام کی پیروی کرتے ہیں اللہ تعالیٰ دنیا اور آخرت میں ان کا مقام و مرتبہ بلند فرماتا ہے۔
☆ جو دکھ دے اُسے چھوڑ دو۔ مگر جسے چھوڑ دو اُسے دکھ نہ دو۔
☆ دن کی روشنی میں رزق تلاش کرو رات کو اُسے تلاش کرو جو تمہیں رزق دیتا ہے۔
☆ بری صحبت کے دوستوں سے کانٹے اچھے جو ایک بار زخم دیتے ہیں۔
☆ اگر تم خدا کی عبادت نہیں کر سکتے تو گناہ بھی چھوڑ دو۔
☆ آسمان پر نگاہ ضرور رکھو مگر یہ مت بھولو کہ پاؤں زمین پر ہی رکھے جاتے ہیں۔
☆ سفر آخرت کی تیاری بہت ضروری ہے کیونکہ اس منزل کی راہ میں کوئی ہستی یا شہر نہیں آتا۔

محمد بن اسماعیل بخاری

آپ بخاری میں پیدا ہوئے گوان کے والد بھی ایک محدث تھے اور امام مالک کے شاگرد تھے مگر احادیث رسول صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم کی جانچ پڑتال، پھر ان کی جمع و ترتیب پر آپ کی مساعی ہیلے کو آنے والی تمام مسلمان نسلیں خراج تحسین پیش کرتی رہیں گی۔ آپ کا ظہور پر سرور عین اس قرآنی پیش گوئی کے مطابق ہوا جو اللہ تبارک و تعالیٰ نے سورہ جمعہ میں فرمائی تھی۔
واخرین منعم لمن خلقوا بحم و هو العزیز الکریم (سورہ البقرہ 3)
یعنی زمانہ رسالت کے بعد کچھ اور لوگ بھی وجود میں آئیں گے جو علوم کتاب و حکمت کے حامل ہوں گے حضرت امام بخاری یقیناً ان ہی پاک نفوس کے سرخیل ہیں۔ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم نے فرمایا تھا کہ آل فارس میں سے کچھ ایسے لوگ پیدا ہوں گے کہ اگر وہی علوم ثریا ستارے پر ہوں گے تو وہاں سے بھی وہ ان کو ڈھونڈ نکالیں گے۔ امام بخاری کا درجہ احادیث کو چھان بھینک کر ترتیب دینے میں اتنا اونچا ہے کہ بلا اختلاف الجامع الصحیح یعنی صحیح بخاری شریف کا درجہ صحت میں قرآن پاک کے بعد پہلا ہے۔
امام بخاری کا نام محمد، کنیت ابو عبد اللہ ہے۔ والد اسماعیل بن ابراہیم بن منیرہ ہیں۔ امام بخاری کے پردادا منیرہ حاکم بخارا امام جعفی کے ہاتھ مشرف بہ اسلام ہوئے تھے۔ امام بخاری کی ولادت جمعہ 13 شوال المکرم 194ھ بمطابق 19 جولائی 810ء کو بخارا شہر میں بعد از نماز جمعہ کو ہوئی۔
امام بخاری نے 61 سال 11 ماہ 18 یوم کی عمر میں جمعہ یکم شوال المکرم 256ھ بمطابق یکم ستمبر 870ء کو بعد نماز عشاء خرتنگ میں وفات پائی جو سترہ شہر سے دس میل کے فاصلہ پر واقع ہے۔

اسلامی معلومات

کر بلا کا شہر اور یائے فرات کے کنارے واقع ہے۔
سورہ توبہ میں نماز جنازہ پڑھنے کا حکم آیا ہے۔
قرآن مجید کو 30 پاروں میں حضرت عثمان نے تقسیم کیا۔
واقعہ معراج کا ذکر سورہ بنی اسرائیل میں آیا ہے۔
جنت کے کتنے دروازے ہیں؟ جواب: ۸۔
جہنم کے کتنے دروازے ہیں؟ جواب: ۷۔
جنت کے داروغہ کا نام بتائیے؟ جواب: رضوان۔
جہنم کے داروغہ کا نام بتائیے؟ جواب: مالک۔
قرآن کریم میں سب سے زیادہ کس حکم کی تاکید آئی ہے؟ جواب: نماز۔
غار حراء و غار ثور کہاں واقع ہیں؟ جواب: مکہ مکرمہ میں۔
کس سورت کو السبع المثانی بھی کہا جاتا ہے؟ جواب: سورہ الفاتحہ۔
آپ صلی اللہ علیہ وسلم کی پیدائش کس سن میں ہوئی تھی؟ جواب: آپ صلی اللہ علیہ وسلم کی پیدائش ۵۷۰ء میں ہوئی تھی۔
مہر نبوت حضور صلی اللہ علیہ وسلم کے جسم کے کس حصہ میں تھی؟ جواب: دونوں کندھوں کے درمیان۔
اگر کوئی حضور اکرم صلی اللہ علیہ وسلم کو نہ مانے تو وہ کیسا ہے؟ جواب: جو حضرت محمد صلی اللہ علیہ وسلم کو نہ مانے وہ کافر ہے۔
حضور اکرم صلی اللہ علیہ وسلم نے انبیاء کرام کی امامت کہاں کی تھی؟ جواب: بیت المقدس (مسجد اقصیٰ میں)۔
حضرت آدم علیہ السلام کو اللہ تعالیٰ نے کس چیز سے پیدا کیا؟ جواب: مٹی سے۔
اس دنیا اور ساری کائنات کا خالق اور مالک کون ہے؟ جواب: اللہ تعالیٰ۔

Saalim
Tours & Travels

- HAJ, UMRAH & ZIYARAT TOURS ORGANISER
- INTERNATIONAL PACKAGES
- PASSPORT • AIR TICKETS • VISA
- AUTHORISED RAILWAY E-TICKET

UMRAH **ZIYARAT**
BAGHDAD SHARIF
TURKEY & BAITUL MUQADDAS

HOLIDAY PACKAGES
DUBAI VISA & COMPLETE TOUR PACKAGE
BANGKOK-THAILAND-MALAYSIA-SINGAPORE

Shop No. 65, Jairam Complex, Sharda Chowk, Raipur, Chhattisgarh - 492 001. INDIA
Office : +91-771 2224222 | 2223111 | 4050353
+91-91791 17868 | +91- 90095 11211
E-mail : info@saalimtours.com • saalims.group@gmail.com
Web : www.saalimtours.com
Amin Qadri : +91-7587 450786

کُرآن مجید کے حُکُک

- کُرآن پر ایمان لانا۔ یا نی دِل سے ی کون کرنا۔
- کُرآن کا سہیہ پدنا، سُننا (یہ کارے سوا ب ہے)
- کُرآن کی تِلواوت پا بندی سے کرنا، اِس کا سَمدنا، سَمدنا (مُجیب-ع-خیر و بَرکات ہے)
- کُرآن کے اَہکام پر اَمَل کرنا ہلال کو ہلال سَمدنا، ہرام سے بچنا (جَریح-ع-نجا ت ہے)
- کُرآن کی تَبلیغ و اِشاعت کرنا، دُسرؤں تک پھُچانا

خِواتین کے لیے اِنتِزام
کُرآن کا تَرجُما، اِلمے تَجدید، و کُف اور مَخاریج سَخنے کے لیے

Contact: SHER BANOO UMAR GULLAR
Res. 02226775439, Mob. 9819885439

Arshad Merchant 9820037648

La-Zeez
MULTI CUISINE RESTAURANT

Rizvi Palace, Shop No. 8/9, Behind Bata, Off Hill Road, Bandra (W), Mumbai-50
Tel: 26446363/6464 • Web: www.la-zeez.in
Follow Us On [Facebook] [Twitter] [Instagram]

ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશનના પ્રમુખનું જેદાહમાં સન્માન

ઉદી અરેબિયામાં જેદાહસ્થિત મેમન વેલ્ડર સોસાયટી વિશ્વભરમાંથી આવતા મેમન કોમના આગેવાનો માટે સન્માન કાર્યક્રમો યોજે છે. તાજેતરમાં ઉમરા અદા કરવા આવેલા મહેમાનો માટે ઇફતાર અને ડિનરનો કાર્યક્રમ પણ આ પરંપરાને અનુસરીને યોજવામાં આવ્યો હતો.

ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશન (AIMJF) ના પ્રમુખ જનાબ ઇકબાલ મેમન ઓફિસર, સઉદી અરેબિયાના અબ્દુલ કરીમ યાહ્યા મુનશી, કેનેડાથી આવેલા અલાફ ખાંડવાલા, અહેમદ અબ્દુલ કરીમ, મોહમદ છાપરા, ઇલ્યાસ કાપડિયા ઉપરાંત દક્ષિણ આફ્રિકાથી આવેલા મહેમાનો પણ આ ઇફતાર પાર્ટીમાં સામેલ થયા હતા. ઇકબાલ અડાણી અને મોહમદ બદિહે આ કાર્યક્રમમાં ઉલ્લાહપૂર્વક ભાગ લીધો હતો.

ઇફતાર પાર્ટીની સાથે એક નાનકડા કાર્યક્રમમાં મેમન વેલ્ડર સોસાયટી (જેદાહ)ના પ્રમુખ ઇરફાન અહેમદ કોલ્લાવાલાએ તમામ મહેમાનોનો આભાર માન્યો હતો. જ્યારે સેક્રેટરી જનરલ તૈયબ મુસાણીએ સોસાયટીની પ્રવૃત્તિઓ વિશે ટૂંકમાં માહિતી આપી હતી. તેમણે તાજેતરમાં મુંબઈમાં યોજાયેલા ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશનના અધિવેશનનો વિશેષ ઉલ્લેખ કર્યો હતો જેમાં ભારતની ૫૦૦ જેટલી મેમન જમાતો તથા વિદેશના પ્રતિનિધિઓએ હાજરી આપી હતી.

આ વિશેષ ઇફતાર-ડિનર કાર્યક્રમમાં અતિથિ વિશેષ ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશનના પ્રમુખ 'ઇકબાલ મેમન ઓફિસર મેમન કોમની સેવાઓ પર પ્રકાશ પાડતા જણાવ્યું હતું કે, વિશ્વમાં જ્યાં પણ મેમન કોમે વસવાટ કર્યો ત્યાં આપમેળે સમાજસેવાની પ્રવૃત્તિઓ શરૂ થવા પામી. મેમન સમુદાયને સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે આપણે એકતા અને સંપ જાળવીને રહેવું જોઈએ. એકતામાં જ સફળતા છે. જે કોમ એકતાને બદલે વિખવાદ ઇર્ષ્યા અને કુસંપના

તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે આ વર્ષે 'મેમન ૩'ના પ્રસંગે ભાઈ તૈયબ મુસાણીએ એક સ્લોગન (સૂત્ર) રચ્યું હતું. જેને વિશ્વમાં તમામ મેમન જમાતોએ પસંદ કર્યું હતું. માન્યતા આપી હતી અને અપનાવ્યું હતું. આ સ્લોગન મેમન સમુદાયની સંપૂર્ણ ઇબિને ત્રણ વાક્યમાં રજૂ કરે છે, એટલે કે "મેમન કોમની વિરાસત, ધંધો, સમાજ-કલ્યાણ અને સખાવત." અબ્દુલ કરીમ મુનશીએ પણ સંબોધન કર્યું હતું.



રાયે તે કદી ઇતિહાસમાં સ્થાન પામી નથી શકતી. ઇકબાલ મેમન વધુમાં કહ્યું હતું કે તેઓ જે કંઈ પ્રયાસો કરી રહ્યા છે તે કોમની બહેતરી અને ઉન્નતિ માટે અને અલ્લાહ રબ્બુલ ઇઝ્જતની રજામંદી માટે છે અને તેમની કાર્યક્ષમ, અથાગ તથા નિઃસ્વાર્થ ટીમને કારણે તમામ કામગીરી અલ્લાહના કરમથી સુંદર રીતે પાડ પડી રહી છે : તેમણે એવી પણ જાહેરાત કરી હતી કે દર વર્ષે ૧૧ એપ્રિલ 'મેમન ૩' તરીકે ઊજવાશે.

જનાબ ઇકબાલ મેમન ઓફિસરની કોમ પ્રત્યે નિષ્ઠા, અથાગ પરિશ્રમ સાથે નિઃસ્વાર્થ સમાજ સેવા બદલ તેમને મેમન વેલ્ડર સોસાયટી (જેદાહ) તરફથી સ્મૃતિચિહ્ન એનાયત કરાયું હતું.

ગત મહિને મુંબઈમાં મેમન કન્વેશનમાં ઇરફાન કોલસાવાલા તથા તૈયબ મુસાણીને એનાયત કરાયેલા આઉટરોનિંગ અધિવેષ્ટ એવોર્ડ્સ તથા રેડ કલ્ચરલ કેપ પણ આ કાર્યક્રમમાં પ્રદર્શિત કરાયા હતા.

છેલ્લે જનાબ યુનુસ હમીદે હાજર તમામ મહેમાનો તથા કાર્યક્રમનું સફળ આયોજન કરવા બદલ શોએબ સિકંદર, મનસુર શિવાણી, રશીદ કાસમાણી અને અહેમદ કમાલ મકીનો આભાર માન્યો હતો.

પ્રસ્તુતકર્તા: અલાફ હોલી
CEO, AIMJF

રમઝાન માસમાં દાનનો સિતેર ગણો સવાબ મેળવી શકાય છે

પવિત્ર રમઝાન માસ અંતિમ તબક્કામાં છે, પાક પરવરદોગાર પહાણો છે કે, જ્યારે માણસ દુનિયાના કરોબાર અને કામધંધામાં જોડાઈ જશે તો ધીમે ધીમે એનાં હૃદય પર ગફલતના પડદા પડી જશે અને તે દુનિયાભરની સમૃદ્ધિ પામવાની આંધળી દોટ અને ધંધા-રોજગારને લગતી આંટી-બૂંટીમાં અટવાઈ જશે! તો તેની આ ગફલતને દૂર કરવા અને અવિરત, અઘાક પરિશ્રમયુક્ત દોડા-દોડીને વિસામો આપવા પરમકૃપાળુ પરમાત્માએ કેટલીક અવધિઓ (અલકાત) નિર્ધારિત કરી દીધી છે, જે પૈકી એક આ પવિત્ર રમઝાન મહિનો પણ છે. વર્ષના અગિયાર મહિના સતત મશીનની જેમ વ્યસ્ત રહેનારા મોખિન માટે આ મહિનો મુક્કર થયો કે આ મહિનામાં તમે પોતાના સર્જન પાછળના મૂળ ઉદ્દેશ એટલે કે ઇબાદત તરફ પાછા ફરો, આ માટે દરેક ઇબાદતનો, નેકીનો આ માસમાં સીતેર ગણો વધુ બદલો આપવામાં આવશે! વર્ષ દરમિયાન જે કાંઈ ગુનાહ આવરાયા છે એની બખશીશ કરાવો અને હૃદય કે મનની ક્ષમાઓ ઉપર જે મેલ ચઢી ગયો છે એ પડદા ઉઠાવો. રોઝાઓની અદાયેગીમાં ભૂખ-તરસના અનુભવ લઈ આંખો ખોલો અને જુઓ કે કોમમાં, સમાજમાં સતત ખારે મહિના આર્થિક તંગીના કારણે અર્ધભૂખ્યા રહેતા પરિવારોની શું દશા છે? તમારી સુખ-સમૃદ્ધિ અને માલો-દોલત, શાનો-શોકત અને સગવડો તો ઘણી વધી ચૂકી છે, પણ તમે તેને ફર્જ એવી ઝકાતની અદાયેગી તથા લીલ્લાહ, સદકા, ફીર વગેરે ઇમદાદ વડે પાક-સાફ કરી કે નહીં...? આ તમામ નીઝામ બનાવવામાં આવ્યા જેથી કરીને જરૂરતમંદોને મદદ મળતી રહે અને તેમની જરૂરત પૂરી થતી રહે.

વણવિલ છે જેનાથી સમસ્ત મુસ્લિમ કોમ તેમ જ આપણો મેમન સમાજ વાકેફ છે, આ એક ખુદાઈ કૃપા છે કે તેના અહકામોમાં ગરીબ, યતીમ, મીસ્કીન, બેવા, બેધર, લાચાર, અપાહિજ, મોહતાજ, નિરાધાર, બીમારીમાં મુખેલા લોકો માટે મદદની આ એક અદ્ભુત આર્થિક વ્યવસ્થા કરવામાં આવેલ છે, જેના થકી અગણિત જરૂરતમંદોને સહાય મળી રહે છે અને આપનારને ભરપૂર સવાબ પ્રાપ્ત થાય છે વળી પરમકૃપાળુ તરફથી આપનારને ભરકતનો વાયદો મળે છે એ નકામાં...!

પરમકૃપાળુનું આપણા ઉપર આ એક મોટું એહસાન છે કે આપણને પવિત્ર રમઝાન માસનું ખુનુખા વાતાવરણ, સારામાં સારી યીજવસ્તુઓ અને ખાણી-પીણીની સુવિધા ઊભી કરી આપી

જરૂરતમંદ સુધી પહોંચાડ્યો કે કેમ...? ક્યાંક અજાણતામાં અમાનતામાં ખ્યાનતનો ગુનો તો નથી આવરી રહ્યા છે...? આપણી ઝકાતના પહેલાં હકદાર અપણા મુસ્લિમીક મેમન ભાઈ પોતાના હકથી વંચિત તો નથી રહી જતા ને...? શું આપણી ઝકાત સમયસર અને ખરા જરૂરતમંદો સુધી પહોંચે છે કે નહીં...?

મેમન સમાજની આ તમામ કોષી વ્યક્તિગત અને સામૂહિક ક્રિકમાં ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશન સામેલ છે અને આ કામ માટે કટિબદ્ધ કાર્યકારોનું સંગઠન ધરાવે છે. આપની ઝકાતનો એક-એક રૂપિયો પોતાના પારદર્શક વહીવટ વડે ખરા જરૂરતમંદ, મુસ્લિમીક પરિવારો સુધી પહોંચાડવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. ગરીબ બે-બર, કાયાં-પાકાં ખખડજ મકાનોમાં વસવાટ કરતા, પૈસાના અભાવે નિદાન કે ઇલાજ ન કરાવી શકતા મેમન સમાજના અનેક જરૂરતમંદો AIMJF તરફ મોટ માંડી રહ્યા છે. કારણ કે પાછલાં વર્ષમાં આવા જરૂરતમંદોને પાંચ કરોડથી વધુની ઝકાત, લીલ્લાહ સહાય આ સંગઠનના પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમન ઓફિસરના ઉમદા નેતૃત્વ હેઠળ સફળતાપૂર્વક પહોંચાડવામાં આવેલ છે. ઘણી અરજીઓ પેનિંગ છે અને સતત નવી અરજીઓ આવી રહી છે. લીધેલા સંકલ્પ પૂરા કરવા છે ત્યાં સુધી કે સમાજનો ઝકાત લેનાર, લેનારમાંથી ઝકાત આપનાર બની જાય.



અને આર્થિક રીતે સક્ષમ અને દાન આપનાર બનાવ્યા. જ્યારે પણ હાથ ઉઠાવીએ આપવા માટે, લેવા માટે હાથ લાંબો કરવાની જરૂર નથી પડી! પરંતુ અત્યારે પણ એવા ઘણા પરિવારો છે જેમના રોઝા ઘણા લાંબા અનુભવાય છે! કારણ કે એમની પાસે એટલી પણ ક્ષમતા નથી હોતી કે તેઓ સારી રીતે સહેરી કરી શકે અને સંતોષજનક ઇફતારી જમા કરી શકે. અમુક કોળિયાની સહેરીથી શરૂ થનાર રોઝા થોડાક લુકામોનો ઇફતારી સાથે સંપૂર્ણ આસ્થા સાથે સરપૂર્વક અદા કરવામાં આવે છે. ગરીબીમાં સજાતા આવા પરિવારોના ખોરાક, કપડાં, મકાન, માંદગીના ઇલાજ વગેરે જરૂરિયાતોની જવાબદારી સાહેબ-એ-માલ પરિવારોના શીરે છે.

સમાજના દરેક પરિવારોની જવાબદારી છે કે પોતાની નીકળતી ઝકાતમાંથી ઓછામાં ઓછી ૧૦ ટકા ઝકાત ફેડરેશનનાં બચતુલમાલ ફંડમાં તાકાલિક મોકલી આપે જેથી કરીને આપની નજરોથી દૂર ભારતભરમાં ખૂણે-ખૂણે અજાણ્યાં ક્ષેત્રોમાં વસતા ખરા જરૂરતમંદ સમાજના ગરીબો સુધી મદદ પહોંચી શકે. પવિત્ર રમઝાન માસ આ માટે શ્રેષ્ઠ સમય છે કારણ કે દરેક અમલની જેમ આ માસમાં દાનનો પણ સીતેર ગણો વધુ સવાબ મેળવી શકાય છે.

આપણે શાંતિથી વિચારવું જોઈએ કે શું આપણે આપણા માલમાં ગરીબોનો જે હિસ્સો (ઝકાત) જોડાયેલ છે તે શું ખરેખર ખરા

પ્રસ્તુતકર્તા: ઇકબાલ બેરા
(ચેરમેન, બ્રોડકાસ્ટિંગ વિંગ, AIMJF)

HANIF E. AIBANI
TALIB H. AIBANI

The renowned Interior
Products Company Since 1958



Ebrahim H. Timber Mart

Product range... Timber, Plywood, Laminates


CENTURYPLY


Greenply


ROYALÉ TOUCHÉ


Dutigan

Showroom Address :
75, Old Nagardas Road,
Andheri (E), Mumbai-69.

Tel.: 2683 77 86
2684 07 44
2684 05 43

Email : ebraim_timber@yahoo.com

AL KHALID
TOURS & TRAVELS

Hajj
2017
Shifting Package
4 STAR & 5 STAR HOTELS

Starts @
₹ 3,60,000*
DEPARTURE
32 DAYS
4 AUG & 27 AUG

عيد الفطر

EID
Mubarak



Super Deluxe Tent



Deluxe Mina Tent



VIP Tent



Mina Tents



Buffet Tent of Mina



Buffet Tent of Mina

IN
SHIFTING
PACKAGE

NO

Staying in Aziziah / Kudai / Kafia
Staying in Apartments
Need to share a common bathroom
Need to be far away from Haram

IN
SHIFTING
PACKAGE

AL KHALID
TOURS & TRAVELS

Provides stay in a 4 Star Hotel (Hotel Refadah)
All rooms with attached bathroom
Distance between Masjid and Hotel is just 2.9 kms
Big savings on time and travel expenses
More time means more energy for you to worship

shifting package

high
lights



MAKKAH 4 Star Hotel Al Massa
100 Meters From HARAM



MAKKAH 4 Star Hotel Refada
2.9 km From HARAM



MADINAH 5 Star Hotel Al Nokhaba
200 Meters From HARAM

57, Clare Road, Picadilly Flats, Byculla, Mumbai - 4000 08
T.: +91 22 2301 1111 | contact@alkhaliditours.com
www.alkhaliditours.com | www.facebook.com/alkhaliditours